राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 7 मार्च 2022 वर्ष–4,अंक–42 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मोदी ने किया पुणे मेट्रो रेल परियोजना का उद्घाटन, टिकट खरीद आनंदनगर स्टेशन तक की यात्रा

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पुणे महानगरपालिका परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि यह प्रतिमा 1,850 किलोग्राम 'गनमेटल से बनी है और इसकी लंबाई लगभग 9.5 फुट है। पीएम मोदी ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना का रविवार को उद्घाटन किया। मोदी ने कुल 32.2 किलोमीटर लंबी परियोजना के 12 किलोमीटर के हिस्से का गरवारे मेट्रो स्टेशन पर उद्घाटन किया और इस स्टेशन से आनंदनगर स्टेशन तक मेट्रो की यात्रा की। पुणे मेट्रो परियोजना की कुल लागत 11,400 करोड़ रुपए से अधिक है। प्रधानमंत्री ने 24 दिसंबर, 2016 को इस परियोजना की आधारशिला रखी थी।

किसान लड़ने से पहले सवालों को समझें,फिर एकजुट होकर अपनी सरकार बनाएं - सत्यपाल मलिक

जींद । मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने किसानों से सवालों को समझने, राज बदलने, फिर एकजुट होकर अपनी सरकार बनाने का कहा है। मलिक गांव कंडेला में आयोजित कंडेला खाप एवं माजरा खाप द्वारा आयोजित किसान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान खुद को ताकतवर बनाएं, लेकिन यह तभी संभव है, जब दिल्ली में लाल किले पर खुद का झंडा फहराओगे। खापों की ओर से उन्हें पगड़ी और भाईचारे की मिसाल हुक्का भेंट किया गया। उन्होंने खापों द्वारा दिए गए किसान सम्मान रत्न को ग्रहण करने के बाद उन किसानों को वापस कर दिया, जिन्होंने किसान आंदोलन में अपनी जान गंवाई। उन्होंने कहा कि किसान एक साल से ज्यादा वक्त तक सड़कों पर दिल्ली में गर्मी, सर्दी तथा बारिश की परवाह किए बिना डटे रहे। उन्होंने कहा कि खापें हमारी ताकत हैं।

पंडित नेहरू के बाद 65 साल बाद पुणे मनपा में आने वाले नरेंद्र मोदी दूसरे प्रधानमंत्री

पुणे, । रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुणे महानगरपालिका मुख्यालय में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार, सुभाष देसाई आदि मौजूद रहे. वहीं पुणे के महापौर मुरलीधर मोहोल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया. आपको बता दें कि 65 वर्षों के बाद, प्रधान मंत्री पंडित नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी पुणे मनपा में आने वाले दूसरे प्रधान मंत्री हैं। दरअसल प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने 65 साल पहले पुणे नगर पालिका का दौरा किया था। वर्ष 1955 में पानशेत बांध फटने के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू पुणे आए थे। उस समय वह पुणे मनपा भी गए थे उस समय उन्होंने समूचे पुणे शहर में खुली जीप से स्थिति का जायजा लिया था.उस समय तत्कालीन महापौर राजाभाऊ तेलंग ने उनके लिए राजभवन में भोजन की व्यवस्था की थी।

ऑपरेशन गंगा

आखिरी चरण में ऑपरेशन गंगा भारतीय दूतावास की बुडापेस्ट पहुंचे बचे हुए छात्र

नई दिल्ली ।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन गंगा अपने आखिरी चरण में पहुंच चुका है। भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी। दूतावास ने बचे हुए छात्रों से हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट पहुंचने की अपील की है। इससे पहले यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने यूक्रेन में भारतीयों से उनके मोबाइल नंबर और स्थान के साथ तत्काल आधार पर उनसे संपर्क करने को कहा है। हंगरी में भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर महत्वपूर्ण घोषणा की है। इसने कहा, भारतीय दूतावास ने आज ऑपरेशन गंगा उड़ानों के अपने अंतिम चरण की शुरुआत की। अपने स्वयं के आवास (दूतावास द्वारा व्यवस्थित के अलावा) में रहने वाले सभी छात्रों से अनुरोध किया जाता है कि वे हंगरी, राकोजी यूटी 90 (बुडापेस्ट) में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच पहुंचें। बता दें कि हंगरी की सीमा युद्धग्रस्त यूक्रेन से लगती है और अभी तक इस देश से होते हुए हजारों भारतीयों को भारत लाया गया है। भारत के दूतावास ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों की निकासी के समन्वय के लिए बुडापेस्ट (हंगरी) में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। 2,200 से अधिक भारतीयों को स्वदेश वापस लाने के लिए रविवार को बुडापेस्ट, कोसिसे, रेजजो और बुखारेस्ट से ग्यारह और विशेष उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है। इजरायल में भारत के दूतावास के उप प्रमुख राजीव बोडवाडे को भी विशेष ड्यूटी पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया, ÷हमारे पास हंगरी-यूक्रेन सीमा पर टीमें हैं जो हमें इस बात की जानकारी दे रही हैं कि कितने भारतीय सीमा पार कर रहे हैं, अन्य टीमें आवास, परिवहन आदि की देखभाल कर रही हैं। 150 से अधिक स्वयंसेवक हमारी मदद कर रहे हैं।

अच्छे भले सिंधिया महाराज को यूक्रेन बॉर्डर पर बना दिया चौकीदार

नई दिल्ली । यूक्रेन-रूस युद्ध के रुकने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। भारत सरकार, यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों के स्वदेश वापसी के लिए लगातार कार्य कर रही है। भारतीयों की सकुशल वापसी के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों में चार केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरेन रिजिजू, हरदीप सिंह पुरी और वीके सिंह पहुंचे हुए हैं। ये चारों मंत्री वहां रहकर भारतीय छात्रों की वापसी के काम को अंजाम तक पहुंचा रहे हैं। इसी बीच केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे यक्रेन बॉर्डर पर भारतीय लोगों का इंतजार कर रहे हैं। ट्विटर पर तस्वीर शेयर करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लिखा कि युक्रेन-रोमानिया के सरहद पर हमारे भारत के बेटों-बेटियों का इंतज़ार करते हुए। ज्योतिरादित्य सिंधिया के इस ट्वीट पर अब लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग केंद्रीय मंत्री की तारीफ कर रहे हैं तो कुछ लोग तंज कस रहे हैं। पत्रकार रणविजय सिंह ने ट्विटर पर लिखा ÷सबसे कठिन काम है इंतजार करना, आप वही कर रहे हैं। आपकी मेहनत को सलाम, 11-12 घण्टे होने आए, कुर्सी ले लीजिए, खड़े खड़े थक गए होंगे महाराज। मोहम्मद नाम के यूजर ने लिखा ÷मान्यवर एक सवाल है, अगर बच्चे दूसरे देश के बॉर्डर पर आ ही जाएंगे तो फिर आप किस बात का श्रेय लेने वहां हैं?÷ किरण खेनवार नाम की यूजर ने लिखा परिवार से दूर हर बच्चों को अपनापन का एहसास कराने और उन को सुरक्षित महसूस कराने का महान कार्य उसके लिए हम सभी की तरफ से आपको हृदय से धन्यवाद। श्रवण गोस्वामी नाम के यूजर ने लिखा ÷महाराज, आपको भी मोदी जी की तरह कैमरे का शौक हो गया। आप वहां बच्चों को लेने गए हैं, फोटो खिंचवाने के लिए नहीं। पर लगता है यह संगत का स्टूडेंट्स को लेकर आ सकते थे किन्तु पहली बार देखने को मिला कि जनप्रतिनिधि उससे बढ़ कर भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

सीआईएसएफ और प्राइवेट एजेंसियां का हाइब्रिड सुरक्षा मॉडल भविष्य की जरूरत:शाह

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाइब्रिड सुरक्षा मॉडल की वकालत करते हुए रविवार को कहा कि निजी क्षेत्र की विभिन्न औद्योगिक एवं विनिर्माण इकाइयों को प्रभावी सुरक्षा मुहैया कराने के लिए केंद्र सरकार का अर्धसैनिक बल सीआईएसएफ और निजी सुरक्षा एजेंसियां हाथ मिला सकती हैं। शाह ने कहा कि यह अहम है, क्योंकि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) जैसी सरकारी सुरक्षा एजेंसियां देशभर में इस काम को अकेले अंजाम नहीं दे सकतीं और वे धीरे-धीरे इसे निजी सुरक्षा एजेंसियों के हवाले कर सकती हैं। गृहमंत्री यहां सीआईएसएफ के 53वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने सीआईएसएफ को 25 साल का खाका भी तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि भारत जब अपनी आजादी के 100वें वर्ष में प्रवेश करे, तब तक यह एक 'परिणाम-उन्मुख% सुरक्षा एजेंसी के रूप में उभर सके। शाह ने सीआईएसएफ से निजी सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी लेने पर विचार करने को भी कहा। सीमाओं और बंदरगाहों के पास स्थित औद्योगिक इकाइयों पर ड्रोन के बढ़ते खतरे के मद्देनजर गृह मंत्री ने सीआईएसएफ से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसी एजेंसियों के साथ मिलकर इस खतरे के खिलाफ एक प्रभावी प्रौद्योगिकी तैयार करने को कहा। कार्यक्रम में सीआईएसएफ के महानिदेशक शील वर्धन सिंह ने कहा कि सीआईएसएफ भारत में निजी सुरक्षा एजेंसियों के प्रशिक्षण और प्रमाणन में बेहद अहम भूमिका निभा सकता है, जो फिलहाल असंगठित तरीके से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ हवाई अड्डों और बंदरगाहों के अलावा ड्रोन विरोधी अभियान और समुद्री एवं त्वरित परिवहन प्रणाली में एक 'विशेष एवं एकीकृत सुरक्षा एजेंसी की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। लगभग 1.64 लाख सुरक्षाकर्मियों से लैस सीआईएसएफ मौजूदा समय में देश के 65 नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहा है। सरकारी और निजी क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों की हिफाजत की जिम्मेदारी भी उस पर है। सीआईएसएफ केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन काम करता है।

इस बार हार-जीत में पोस्टल बैलेट बन सकते हैं निर्णायक

लखनऊ । राजधानी लखनऊ की कई विधानसभा सीटों पर इसबार प्रत्याशियों की हार जीत में पोस्टल बैलेट निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। चुनावी बयार को देखते हुए राजधानी में पोस्टल बैलेट के जरिए हुए रिकॉर्ड मतदान के मद्देनजर अब यह संभावना जोर पकड़ रही है। जानकार मानते कि इसबार दो प्रमुख पार्टियों में कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। इतिहास गवाह है कि बीते तीन चुनावों में आधा दर्जन से अधिक विधानसभा सीटों पर मुकाबला बहुत नजदीकी रहा है। मोहनलालगंज विधानसभा में 2017 विधानसभा में जीत का अंतर 530 वोटों का था। वहीं पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 2007 में 613 व 2002 में 339 वोटों से ही हार जीत तय हो गई थी। 2012 में मलिहबाद, बीकेटी और लखनऊ उत्तर जैसी तीन सीटों पर कांटे की टक्कर दिखी। बीकेटी में 1899, मलिहाबाद में 2215 और लखनऊ उत्तर में 2219 वोट से सपा को जीत मिली थी। जबकि 2007 में लखनऊ पूर्व में 613 वोट और मलिहाबाद व महोना (बीकेटी) में जीत का अंतर सवा दो हजार के अंदर था। 2002 में पूर्व विधानसभा सीट मात्र 339 वोटों से बीजेपी की झोली में गई थी। पोस्टल बैलेट से 2017 के मुकाबले इसबार दो गुने से अधिक वोटिंग हुई है। मतदान कर्मियों के अलावा पहली बार 80 वर्ष से अधिक के बुजुर्ग व दिव्यांग मतादाताओं ने भी पोस्टल बैलेट से मतदान किया।

यूक्रेनी महिला ने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील मेरे देश को बचा लीजिए

नई दिल्ली । रूस का यूक्रेन पर हमला लगातार जारी है। इस बीच एक कश्मीरी व्यक्ति से शादी करने वाली यूक्रेन की ओलीज़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार से अपील की है कि वह उनके देश में चल रहे रूसी सैन्य अभियानों के बीच यूक्रेन की हर संभव मदद करें। ओलीजा अब पुलवामा जिले के त्राल इलाके में रहती है। उसने कहा, मुझे बहुत दुख हो रहा है। मेरा दिल रोता है क्योंकि मेरा परिवार वहां है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार से कहना चाहती हूं कि किसी भी तरह से यूक्रेनियन की मदद करने की कोशिश करें। रास्ता संभव है। वे शांतिपूर्ण लोग हैं। उन्होंने कहा, हमारा देश लोकतंत्र और शांति के लिए लड़ रहा है। उनके दिल में आजादी है और वे रूस को हमारे घरों में नहीं आने देंगे। मास्को द्वारा यूक्रेन के अलग-अलग क्षेत्रों (डोनेट्स्क और लुहान्स्क) को स्वतंत्र संस्थाओं के रूप में मान्यता देने के तीन दिन बाद रूसी सेना ने 24 फरवरी को यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू किया। इस बीच विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने शनिवार को जानकारी दी कि यूक्रेन से अब तक 11,000 से अधिक भारतीयों को निकाला गया है। सरकार ने भारतीय नागरिकों की निकासी प्रक्रिया में समन्वय और निगरानी के लिए यूक्रेन की सीमा से लगे चार पड़ोसी देशों में विशेष दूत भी तैनात किए हैं।

पाकिस्तान की संसद में लगे मोदी-मोदी के नारे!

नेशनल डेस्क।

एक तरफ जहां यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग को लेकर लोग चिंतित हैं वहीं सोशल मीडिया पर इस युद्ध को लेकर फर्जी वीडियो और फोटो की भरमार है। कुछ दिन पहले खबरें आई थीं कि यूक्रेन में फंसे पाकिस्तान और तुर्की के कई छात्रों ने बॉर्डर पार करने के लिए भारतीय झंडा उठाया था। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने यूक्रेन में भारतीय छात्रों को सलाह दी थी वे अपने साथ और वाहनों पर भी भारत का झंडा लगाएं ताकि वे सुरक्षित रूप से सीमा के बाहर जा सकें। इन सबके बीच पाकिस्तान की संसद का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जैसे ही यह समाचार पाकिस्तान पहुंचा कि यूक्रेन में पाकिस्तान के छात्रों ने भारत का तिरंगा अपने वाहनों पर लगाकर वहां से जान बचा कर निकले हैं तो पाकिस्तान की संसद में देखो फिर क्या हुआ, सांसदों ने इमरान मुर्दाबाद व मोदी जिंदाबाद के नारों से हाल गुंजा दिया। दावा किया जा रहा है कि यूक्रेन से पाकिस्तानी छात्रों के भारतीय झंडों के सहारे सुरक्षित निकलने की खबरों पर पाकिस्तान की संसद मोदी-मोदी के नारे लगे। सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे वीडियो के कैप्शन में लिखा गया है, जैसे ही यह समाचार पाकिस्तान पहुंचा कि यूक्रेन में पाकिस्तान के छात्र भारत का तिरंगा अपने वाहनों पर लगाकर वहां से जान बचा कर निकले हैं तो पाकिस्तान की संसद में देखो फिर क्या हुआ, सांसदों ने इमरान मुर्दाबाद व मोदी जिंदाबाद के नारों से हॉल गुंजा दिया। दिलचस्प ये है कि पंजाब भाजपा के आधिकारिक फेसबुक और ट्विटर अकाउंट पर ये वीडियो शेयर किया गया है। साथ ही यह वीडियो भाजपा पंजाब के सोशल मीडिया प्रमुख राकेश गोयल ने भी यह वीडियो शेयर किया है। जैसे ही यह समाचार पाकिस्तान पहुंचा कि यूक्रेन में पाकिस्तान के छात्रों ने भारत का तिरंगा अपने वाहनों पर लगाकर वहां से जान बचा कर निकले हैं तो पाकिस्तान की संसद में देखो फिर क्या हुआ, सांसदों ने इमरान मुर्दाबाद व मोदी जिंदाबाद के नारे से हाल गुंजा दिया।

यही वीडियो साल 2020 में भी वायरल हुआ था। इसमें पाकिस्तानी सांसद मोदी-मोदी नहीं बल्कि वोटिंग-वोटिंग पाकिस्तान की संसद में फ्रांसीसी पत्रिका चार्ली हेब्दो द्वारा ईशनिंदा वाले एक कार्टून और इस्लाम पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की एक टिप्पणी के खिलाफ प्रस्ताव पास किया जा रहा था।

पश्चिम बंगाल विधानसभा कार्यवाही की पवित्रता बनी रहे: धनखड़

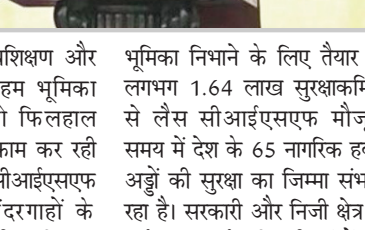

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने को कहा कि उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी को चर्चा करने के लिए दिन में राजभवन आने का न्योता दिया, ताकि सदन की कार्यवाही की पवित्रता बनी रहे। उन्होंने पूर्व में विधानसभा में उनके (राज्यपाल के) संबोधन के दौरान 'सीधा प्रसारण रोके जाने' की ओर इशारा करते हुए यह कहा। सदन की कार्यवाही बुलाने के विषय पर कई दिनों की अनिश्चितता के बाद राज्यपाल ने सीएम ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल की अनुशंसा पर सोमवार अपराह्न दो बजे विधानसभा का सत्र बुलाया है।

इससे पहले सदन की बैठक बुलाने को लेकर भेजे गए प्रस्ताव में मुद्रण की गलती हो गई थी और सत्र सात मार्च को देर रात दो बजे बुलाने की जानकारी दी गई थी। धनखड़ ने बिमान बनर्जी को भेजे पत्र में लिखा है, पूर्व में विधानसभा सत्र को संबोधित करने के दौरान उत्पन्न स्थिति, जब संबोधन के दौरान सीधा प्रसारण रोकना शामिल है, मैंने पाया कि यह आवश्यक है माननीय स्पीकर से संवाद किया जाए ताकि सदन की कार्यवाही की पवित्रता बनी रहे और राज्यपाल के कार्यालय की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचे। पत्र की प्रति राज्यपाल के ट्विटर हैंडल से भी साझा की गई है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा का सत्र बुलाने को लेकर उस वक्त विवाद पैदा हो गया, जब धनखड़ ने 24 फरवरी को राज्य मंत्रिमंडल के प्रस्ताव के आधार पर सात मार्च को रात दो बजे सदन की बैठक बुलाई। राज्य के अधिकारियों ने कहा था कि 'रात दो बजे' लिखा होना मुद्रण की गलती है ।

चार राज्यों में फिर बनाएंगे पूर्ण बहुमत की सरकार, पंजाब से आएंगे अच्छे नतीजे: जेपी नड्डा

नेशनल डेस्क । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेताओं ने शनिवार को विश्वास जताया किया कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन शानदार होगा और उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर के साथ ही गोवा में वह फिर से अपनी सरकार बनाएगी जबकि पंजाब में अपनी स्थिति मजबूत करेगी। पार्टी नेताओं ने यह भी दावा किया कि और उसे चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लाभ मिला है। सात चरणों के पांच राज्यों के चुनावों के आखिरी दौर का प्रचार समाप्त होने के बाद पार्टी मुख्यालय में एक भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कि भाजपा ने वैज्ञानिक चुनाव अभियान चलाया और इसमें बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय नेतृत्व तक ने सभी ने योगदान दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी और उसे किसी अन्य दल के समर्थन की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा, मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूं कि पांच राज्यों की जनता ने भाजपा को अनुकूल प्रतिसाद दिया है। चार राज्यों में जहां भाजपा सत्ता में हैं, वहां भाजपा फिर से वापसी करेगी और पंजाब में हमारी स्थिति मजबूत होगी। शाह ने कहा कि पांचों राज्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता आजाद भारत के किसी भी प्रधानमंत्री की लोकप्रियता से कहीं अधिक ऊपर दिखाई पड़ी और इसका सीधा फायदा भाजपा को इस चुनाव में हो रहा है। पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव प्रचार अभियान के दौरान उन्होंने पूरे उत्तर प्रदेश का दौरा किया और उन्होंने महसूस किया कि राज्य में पहली बार लोकतंत्र नीचे तक पनपता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, ''जातिवाद, परिवारवार, तुष्टिकरण, इन तीनों नासूरों से मुक्त करके आज हम उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र को पहली बार पनपते हुए देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगभग साढ़े सात साल से देश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही है और उनकी सरकार ने देश के लोगों को इस बात का एहसास दिलाया है कि कोई चुनी हुई सरकार उनके जीवन स्तर को उठाना चाहती है। नड्डा ने भी दावा किया कि पांच में चार राज्यों में भाजपा सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने कहा कि चारों राज्यों में अच्छे बहुमत से जीतकर भाजपा अपनी सरकार बनेगी और पंजाब में उसे जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा, ''पंजाब में भाजपा पहली बार 65 सीटों से ज्यादा पर चुनाव लड़ रही है। हमें वहां पर बहुत ही सकारात्मक जन समर्थन मिला है और उम्मीदों से ज्यादा अच्छा नतीजा हम वहां लाएंगे। ज्ञात हो कि पंजाब में भाजपा का लंबे समय तक शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन रहा लेकिन केंद्र सरकार के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के मुद्दों पर दोनों दलों का गठबंधन टूट गया। पंजाब में भाजपा ने इस बार पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुखदेव सिंह ढींढसा के नेतृत्व वाली अकाली दल (संयुक्त) से गठबंधन किया है। नड्डा ने कहा कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का सशक्तीकरण इस चुनाव में

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। - हरिवंश राय बच्चन

संपादकीय

दुनिया की फिक्र

वैश्विक पर्यावरण संबंधी गंभीर चुनौतियों के मुकाबले के लिये हमारे प्रयासों की स्थिति कितनी चिंताजनक है, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज यानी आईपीसीसी की हालिया रिपोर्ट उसे उजागर करती है। दरअसल, संस्थान के छठे आकलन की दूसरी रिपोर्ट पर्यावरणीय चिंताओं का सटीकता के साथ खुलासा करती है, जो हाल के दिनों में लगातार विस्तार पा रही है। यह रिपोर्ट खुलासा करती है कि पूरी दुनिया के सामने मौजूदा ग्लोबल वार्मिंग से मुकाबले के लिये किये जा रहे प्रयास वक्त की कसौटी पर खरे नहीं उतर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि क्लाइमेट चेंज के मद्देनजर जो कदम वैश्विक स्तर पर उठाये जाने चाहिए थे, वे नहीं उठाये जा रहे हैं। वास्तव में यह जितनी बड़ी चुनौती है, उसके मुकाबले हमारे प्रयास नाकाफी हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती के मुकाबले के लिये दुनिया में जो वैचारिक साम्य बना है, उसमें आईपीसीसी के अनुमानों व संस्तुतियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसकी भावभूमि पर पेरिस जलवायु समझौते जैसी महत्वपूर्ण पहल हो सकी है। आईपीसीसी के आकलन से ही यह बात स्पष्ट हुई है कि बदलते वक्त के साथ चुनौती और जटिल होती जा रही है। पहले कहा जा रहा था कि इंडस्ट्रियल क्रांति से पूर्व की स्थिति के मुकाबले तापमान वृद्धि को दो फीसदी तक ही सीमित किया जाये। लेकिन बदलते हालात व ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों को देखते हुए अब कहा जा रहा है कि इसे डेढ़ फीसदी तक सीमित रखा जाये। तभी हम मानव जीवन व खाद्य श्रृंखला को बचा पायेंगे। साथ ही निष्कर्ष यह भी है कि जिस गति से हमें इस चुनौती के मुकाबले के लिये कदम उठाने चाहिए थे, वह बहुत धीमी है, जिसके चलते जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में बड़ी कामयाबी मिलना संदिग्ध नजर आता है। ऐसे में खेती व उद्योग जगत को नयी चुनौतियों के अनुरूप ढालना होगा। उसके अनुरूप ही नीतियां तैयार करनी होंगी। हालांकि, करीब दो साल की कोरोना महामारी की मार ने ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभाव के खिलाफ लड़ाई को कमजोर किया है क्योंकि इस संकट में पहली प्राथमिकता लोगों को महामारी से बचाने की थी। इसके बावजूद कई विकसित देशों में ऐसी फसल उगाने के लिये शोध-अनुसंधान किये जा रहे हैं, जिससे उन किस्मों का पता लगाया जा सके जो कम पानी, अतिवृष्टि और उच्च तापमान से कम प्रभावित होती हैं। निस्संदेह, क्लाइमेट चेंज के प्रभावों के चलते पूरी दुनिया में खाद्य श्रृंखला के टूटने का खतरा पैदा हो गया है। खाद्यान्न की पैदावार में गिरावट आ रही है, जिसके चलते जीवन रक्षा के लिये बड़े पैमाने पर पलायन का खतरा पैदा हो गया है। सही मायनों में अब इस बात पर जोर देने की जरूरत है कि बदलते मौसम के अनुरूप हम जीवन को कैसे ढालते हैं। यदि हम अब भी न जागे तो बहुत देर हो जायेगी। हाल ही के दिनों में पूरी दुनिया में अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखे, बाढ़ व तूफानों की आवृत्ति बढ़ी है, जिसके चलते बड़े आसन्न संकट की आहट महसूस की जा रही है। इसका नकारात्मक असर फसलों की पैदावार पर निश्चित रूप से पड़ेगा। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये नई जीवनशैली विकसित करने की जरूरत होगी। यदि ऐसा नहीं किया गया तो हमें इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी। सही मायनों में आईपीसीसी की हालिया रिपोर्ट हमारी आंख खोलने वाली है जो बताती है कि वक्त आ गया है कि हम ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों को कम करने के लिये इसके अनुरूप जीवन ढालने की तरफ बढ़ें।

अविश्वास,वर्चस्व व विस्तारवाद है हर युद्ध का कारण

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

आख़िरकार पिछले कई महीनों से रूस व यूक्रेन के मध्य चल रही युद्ध की दुर्भाग्यपूर्ण आशंका हक़ीक़त में बदल ही गयी। 1922 से लेकर 1991 तक यूनियन ऑफ़ सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक अर्थात (स्स्क्र) के रूप में एक साथ रहने वाले रूस व यूक्रेन का एक दूसरे देशों से ऐसा विश्वास उठ जायेगा कि दोनों देश युद्ध के उस मोड़ पर जा खड़े होंगे जहाँ से तीसरे विश्व युद्ध की चर्चा होने लगेगी,यह सोचा भी नहीं जा सकता था। परन्तु आज यह दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति दुनिया के सामने है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि एक देश अथवा संघ के रूप में कभी साथ रहे ऐसे देश जब कभी भौगोलिक दृष्टि से अलग होते हैं तो किसी न किसी कारण उन्हीं देशों में परस्पर ऐसी रंजिश हो जाती है कि बात युद्ध की विभीषिका तक आ पहुँचती है। युद्ध नामक इस 'सामूहिक नरसंहार' को भी समय समय पर अलग अलग नाम दिये जाते हैं। कभी यह तेल के लिये होने वाली लड़ाई बताई जाती है तो कभी इसे हथियार उत्पादक देशों द्वारा अपने हथियारों की बिक्री के लिये रचा गया चक्रव्यूह बताया जाता है। कोई इसे ईसाई -मुस्लिम के बीच छिड़ा सभ्यता का संघर्ष परिभाषित करता है तो कोई इसे रंग भेद की संज्ञा देता है। यहाँ तक कि कुछ लोग अभी से यह भी भविष्यवाणी करने लगे हैं कि भविष्य में पानी के लिये भी विश्व युद्ध हो सकता है। युद्ध की विभीषिका का सामना करने वाले देशों में जब बच्चों,बुज़ुर्गों व लाचार महिलाओं की चीत्कार सुनाई देती है। उस समय ज़ेहन यह सोचने के लिये मजबूर हो जाता है कि संयुक्त राष्ट्र में बैठे एक से बढ़कर एक बुद्धिजीवी,दुनिया का बड़े से बड़े 'थिंक' टैंक संगठन,दुनिया के देशों में शासन करने वाले तथाकथित रणनीतिकार व राजनीतिज्ञ, कूटनीज्ञ गोया स्वयं को दुनिया का सबसे संभ्रांत व अभिजात वर्ग समझने वाले 'सफ़ेद पोश' लोगों के पास किन्हीं दो देशों के बीच पैदा होने वाली किसी भी समस्या के समाधान के लिये आख़िर युद्ध ही एकमात्र रास्ता क्यों बचता है? और यदि युद्ध ही किसी विवाद का एकमात्र हल है ऐसे में युद्ध में मारे जाने वाले लोग जिनकी युद्ध के लिये न तो सहमति होती है ,न ही वे युद्ध में हिस्सा ले रहे होते हैं,ऐसे साधारण नागरिकों को बम बारी का शिकार बनाना,पूरा देश तबाह कर देना,बसे-बसाये आबाद शहरों को खंडहर में तब्दील कर देना,इंसानों की लाशों को चील कौवों का शिकार बनने के लिये छोड़ देना,क्या यही सब डरावनी परिस्थितियां दुनिया के अभिजात्य वर्ग के हाथों में होने का परिणाम हैं ? दुनिया के कई देश तो वहां के 'सनकी' शासकों की ज़िद व उनकी हठधर्मिता की वजह से बर्बाद हो चुके हैं।

इसी तथाकथित 'अभिजात' वर्ग की एक और 'वैश्विक स्तर' की चतुराई देखिये। जिन हथियारों से बेगुनाह निहत्थों को मारा जाता है वह हथियार भी इन्हीं निरीह लोगों के टैक्स के पैसों से बनाये या ख़रीदे जाते हैं। परन्तु दुनिया के चंद गिने चुने लोग इन्हीं हथियारों से जब और जहाँ चाहें लाखों करोड़ों लोगों को मारने का फ़ैसला कर बैठते हैं। जनता के पैसों से हथियार ही नहीं बनाया या ख़रीदा जाता बल्कि युद्ध थोपने या युद्ध का निर्णय लेने वाले इस राजनैतिक व प्रशासनिक रणनीतिकारों का शाही ख़र्च,इनका सारा ऐश-ो-आराम,सभी सुविधायें भी जनता के टैक्स के पैसों से ही पूरी की जाती हैं ? प्रायः पूरी दुनिया में करदाताओं द्वारा टैक्स अपने अपने देश के विकास व प्रगति के लिये दिया जाता है। परन्तु अनेक देश इन्हीं पैसों का इस्तेमाल अपने देश के रक्षा बजट पर करते हैं। यदि कोई देश परमाणु संपन्न देश बन गया तो वह अपनी उसी 'नरसंहारक' उपलब्धि पर इतराता फिरता है। वह अपने प्रतिस्पर्धी अथवा दुश्मन देशों को 'परमाण' बम की गीदड़ भपकी देता रहता है।

ताज़ातरीन रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर जो थ्योरी बताई जा रही है उसके अनुसार यूक्रेन को भरोसा था कि पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका 'नाटो' सदस्य देशों के साथ मिलकर उसकी मदद करेंगे। नेटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने यह कहा भी है कि रूस ने यूरोप में शांति भंग कर दी है। परन्तु फ़िलहाल अमेरिका या नाटो की ओर से किसी तरह की सहायता यूक्रेन को नहीं पहुंची है। उल्टे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने ही अमेरिका सहित नाटो देशों को चेतावनी दे डाली है कि वे दूर रहें अन्यथा परिणाम प्रलयकारी होंगे। नतीजतन यूक्रेन जो कि हर लिहाज़ से रूस के मुक़ाबले एक कमज़ोर देश है,को अकेले ही युद्ध की त्रासदी झेलना पड़ रही है। यूक्रेन के हज़ारों लोग अपनी जान बचाने के लिए पोलैंड, रोमानिया, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे पड़ोसी देशों की ओर पनाह लेने के लिये जा रहे हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदीमीर ज़ेलेंस्की इस बात को लेकर भयभीत हैं कि राजधानी कीव पर रूस भीषण हमला कर सकता है। यूक्रेन में लोग पश्चिमी देशों की मदद की आस लगाये बैठे हैं। राजधानी कीव में हथियारों की दुकानों में बंदूक,गोलियां व अन्य शस्त्र समाप्त हो चुके हैं। इन हालात में 1971 के उस भारत पाक के युद्ध की याद आती है जब पाकिस्तान अमेरिका द्वारा भेजे गये सातवें युद्ध पोत का इंतेज़ार ही करता रह गया और भारत की मदद से पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया। गोया कोई विकसित देश किसी दूसरे देश की लड़ाई अव्वल तो लड़ता नहीं और यदि युद्ध में कूदता भी है तो अपना हित व स्वार्थ देखकर। वैसे भी वियतनाम से लेकर इराक़,अफ़ग़ानिस्तान जैसे कई देशों में पूर्व में किये गये अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप व उनके परिणाम उसे बहुत कुछ सोचने के लिये मजबूर करते हैं।

ज़रा सोचिये कि यदि दुनिया का शासक वर्ग वास्तव में ज़िम्मेदार,संभ्रांत,अभिजात व बुद्धिजीवी वर्ग के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करे तो यह दुनिया कितनी सुंदर,प्रगतिशील,विकसित,ख़ुशहाल व संपन्न होगी। ऐसे सुन्दर विश्व के निर्माण के लिये दुनिया के शासकों को अपनी उन पारंपरिक सोच का त्याग करना होगा जो आमतौर पर युद्ध का कारण बनती हैं। और वह सोच है अविश्वास,वर्चस्व तथा विस्तारवाद की।आज अधिकांश पड़ोसी देश एक दूसरे पर संदेह करते हैं। विस्तारवाद की नीति पर चलते हुये अनेक देश एक दूसरे की ज़मीन हड़पने की जुगत में रहते हैं। कुछ देश कभी अपना क्षेत्रीय तो कभी वैश्विक वर्चस्व बनाने के लिये युद्ध लड़ते हैं जैसे ताज़ातरीन रूस-यूक्रेन युद्ध जोकि रूस द्वारा यूक्रेन को बहाना बनाकर वैश्विक वर्चस्व के लिये लड़ा जा रहा है।

दुनिया के युद्ध विरोधी व अमन पसंद लोगों के लिये हर दौर में 'साहिर' लुधियानवी की यह नज़्म कितनी प्रासंगिक प्रतीत होती है कि -

खून अपना हो या पराया हो
नस्ल-ए-आदम का खून है आख़िर
जंग मशरिक़ में हो कि मग़रिब में
अम्न-ए-आलम का खून है आख़िर
बम घरों पर गिरें कि सरहद पर
रूह-ए-तामीर ज़ख़्म खाती है
खेत अपने जलें कि औरों के
ज़ीस्त फ़ाक़ों से तिलमिलाती है
टैंक आगे बढ़ें कि पीछे हटें
कोख धरती की बाँझ होती है
फ़तह का जश्न हो कि हार का सोग
ज़िंदगी मय्यतों पे रोती है
जंग तो ख़ुद ही एक मसअला है
जंग क्या मसअलों का हल देगी
आग और खून आज बख़्शेगी
भूख और एहतियाज कल देगी
इसलिए ऐ शरीफ़ इंसानों
जंग टलती रहे तो बेहतर है
आप और हम सभी के आँगन में
शम्मा जलती रहे तो बेहतर है।

बलूच उन्हें लौह महिला बुलाते हैं

जलीला हैदर, मानवाधिकार कार्यकर्ता

परसों जब अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर दुनिया भर में जलसे होंगे, तब सीरिया, अफगानिस्तान से लेकर यूक्रेन तक की औरतों के हक-हुकूक के नारे लगाए जाएंगे, उनसे हमदर्दी जताई जाएगी, उनकी मदद के वास्ते कुछ संकल्प भी उठाए जाएंगे; ये सब जरूरी हैं, लेकिन 21वीं सदी के तीसरे दशक में खड़े संसार के वे देश, जो किसी जंग के शिकार नहीं, क्या अपने यहां की आधी आबादी की स्थिति से संतुष्ट हैं? जलीला हैदर जैसी महिलाएं उन्हें आईना दिखा रही हैं। इस धरती की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक क्वेटा, पाकिस्तान में 10 दिसंबर, 1988 को जलीला पैदा हुईं। वह जिस समुदाय (हाजरा) से आती हैं, उसके साथ हमेशा से ही पाकिस्तान में दोयम दर्जे के नागरिक-सा सुलूक होता रहा है। फिर तालिबान के उभार और इस समुदाय के प्रति उसके नफरती रवैये ने क्वेटा को कभी राहत की सांस नहीं लेने दी। आए दिन शिया समुदाय, खासकर हाजरा लोगों को लक्षित करके खूनी हमले होते रहे। ऐसे माहौल में जलीला का बलूचिस्तान यूनिवर्सिटी तक का सफर कितना मुश्किल रहा होगा, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। उन्हें न केवल बहुसंख्यक समुदाय के भेदभाव और उसकी हिकारत का सामना करना पड़ा, बल्कि खुद अपने तबके के रूढ़िवादियों की फब्तियां और धमकियां झेलनी पड़ीं। मगर माता-पिता अपनी बेटी के पीछे लगातार मजबूती से खड़े रहे और जलीला ने भी उन्हें कभी मायूस नहीं किया। वह पढ़ती गईं, बढ़ती गईं। बलूचिस्तान यूनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में मास्टर्स की डिग्री लेने वाली जलीला ने छोटी उम्र में ही वकील बनने का सपना देखा था, लेकिन परेशानकुन बात यह थी कि उनके तबके की कई लड़कियां कानून की डिग्री लेने के बावजूद बार कौंसिल से जुड़ने का साहस नहीं जुटा सकीं। इस पेशे में पुरुषों का किस कदर दबदबा रहा है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में पहली महिला जज की नियुक्ति इस बरस जाकर हुई है और वह भी वकीलों की जबर्दस्त मुखालफत के बीच। बहरहाल, 13 फरवरी, 2013 को हुए हाजरा टाउन विस्फोट ने जलीला को गहरे आहत किया। हाजरा समुदाय को निशाना बनाने के इरादे से क्वेटा के सब्जी बाजार में एक टैंकर में भारी मात्रा में विस्फोटक लगाए गए थे। उस धमाके में 84 लोग मारे गए और 160 बुरी तरह जख्मी हुए थे। जलीला अपने एक परिजन को तलाशती हुई जब इमाम-बारगाह की तरफ बढ़ीं, तो उनकी नजर एक लाश पर पड़ी। पहले तो लगा कि यह किसी पुरुष का शव है, मगर गौर से देखा, तो वह बुरी तरह सहम उठीं। वह एक महिला थी, जो अपने गर्भस्थ शिशु के साथ जल मरी थी। बलूचों, अल्पसंख्यकों के साथ होने वाली ज्यादतियां जलीला के भीतर के डर को मारती गईं और फिर एक दिन वह बलूचिस्तान बार कौंसिल की दहलीज पर थीं। इस तरह, हाजरा समुदाय की पहली महिला वकील के तौर पर उनका नाम पाकिस्तान के इतिहास में दर्ज हो गया। अब वह खास तौर से अपने समुदाय के लोगों को मुफ्त कानूनी मदद मुहैया कराने लगीं। यही नहीं, पहचान पत्र से लेकर दीगर सरकारी दस्तावेज हासिल करने के लिए भी वह अल्पसंख्यकों को प्रेरित करने लगीं। जाहिर है, इस काम ने मजलूमों में तो उनकी पहचान स्थापित कर दी, मगर दहशतगर्द जमातों और सरकारी ओहदेदारों को उनका दुश्मन बना दिया। जलीला को जान से मारने की धमकियां दी जाने लगीं। इसके कारण उन्हें कई बार कोर्ट से लंबे-लंबे अंतराल के लिए दूरी बनानी पड़ी, मगर उन्होंने शिकस्त नहीं मानी और इंसाफ की लड़ाई के लिए वह अदालतों में लौटती रहीं।

अप्रैल 2018 में हाजरा समुदाय को लक्षित करके चार हमले

हुए। कई लोग मारे गए। यतीम बच्चों, बेसहारा विधवाओं की पीड़ा से दुखी जलीला क्वेटा प्रेस क्लब के सामने इस मांग के साथ भूख हड़ताल पर बैठ गईं कि सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा क्वेटा आकर गमजदा माओं और विधवाओं के आंसू पोछें और उन्हें इंसाफ दिलाएं। उस भूख हड़ताल ने इस्लामाबाद की नींद उड़ा दी, क्योंकि दुनिया भर का मीडिया उसे कवर करने लगा था। अंततः पांचवें दिन बाजवा को आना पड़ा। फिर पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश ने भी बलूचों की उन हत्याओं का संज्ञान लिया और जांच एजेंसियों से फौरन रिपोर्ट तलब की। इस वाकये के बाद कई लापता नौजवानों की माओं के सरकारी दस्तावेज दुरुस्त हुए, उन्हें मुआवजे देने पड़े और प्रशासनिक अफसरों पर भी गाज गिरी। जलीला की इस दिलेरी को देखते हुए बीबीसी ने उन्हें साल 2019 में दुनिया की 100 प्रभावशाली ित्रयों में शुमार किया, तो अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने 2020 में उन्हें 'इंटरनेशनल वुमन ऑफ करेज' अवॉर्ड से नवाजा। अब तो काफी सारे लोग उन्हें 'आयरल लेडी ऑफ बलूचिस्तान' कहते हैं।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

आज के कार्टुन

आत्म विकास

श्रीराम शर्मा आचार्य

व्यक्तित्व के विकास के लिए प्रातः उठने से लेकर सोने तक की व्यस्त दिनचर्या निर्धारित करें। उसमें उपार्जन, विश्राम, नित्य कर्म, अन्यान्य काम- काजों के अतिरिक्त आदर्शवादी परमार्थ प्रयोजनों के लिए एक भाग निश्चित करें। साधारणतया आठ घण्टा कमाने, सात घण्टा सोने, पांच घण्टा नित्य कर्म एवं लोक व्यवहार के लिए निर्धारित रखने के उपरांत चार घंटे परमार्थ प्रयोजनों के लिए निकालना चाहिए। इसमें भी कटौती करनी हो, तो न्यूनतम दो घंटे तो होने ही चाहिये। इससे कम में पुण्य परमार्थ के, सेवा साधना के सहारे बिना न सुसंस्कारिता स्वभाव का अंग बनती है और न व्यक्तित्व का उच्चस्तरीय विकास संभव होता है। आजीविका बढ़ानी हो तो अधिक योग्यता बढ़ाएं। परिश्रम में तत्पर रहें और उसमें गहरा मनोयोग लगाएं। साथ ही अपव्यय में कठोरतापूर्वक कटौती करें। सादा जीवन उच्च विचार का सिद्धांत समझें। अपव्यय के कारण अहंकार, दुर्व्यसन, प्रमाद बढ़ने और निंदा, ईर्ष्या, शत्रुता पल्ले बांधने जैसी भयावह प्रतिक्रियाओं के अनुमान लगाएं। सादगी प्रकारान्तर से सज्जनता का ही दूसरा नाम है। औसत भारतीय स्तर का निर्वाह ही अभीष्ट है। अधिक कमाने वाले भी ऐसी सादगी अपनाएं जो सभी के लिए अनुकरणीय हो। ठाट-बाट प्रदर्शन का खर्चीला ढकोसला समाप्त करें। अहर्निश पशु प्रवृत्तियों को भड़काने वाले विचार ही अंतराल पर छाये रहते हैं। अभ्यास और समीपवर्ती प्रचलन मनुष्य को वासना, तृष्णा और अहंकार की पूर्ति में निरत रहने का ही दबाव डालता है। सम्बन्धी मित्र परिजनों के परामर्श प्रोत्साहन भी इसी स्तर के होते हैं। लोभ, मोह और विलास के कुसंस्कार निकृष्टता अपनाए रहने में ही लाभ तथा कौशल समझते हैं। ऐसी ही सफलताओं को सफलता मानते हैं। इसे एक चक्रव्यूह समझना चाहिये। भव-बंधन के इसी घेरे से बाहर निकलने के लिए प्रबल पुरुषार्थ करना चाहिये। कुविचारों को परास्त करने का एक ही उपाय है- प्रज्ञा साहित्य का न्यूनतम एक घंटा अध्ययन अध्यवसाय। इतना समय एक बार न निकले तो उसे जब भी अवकाश मिले, थोड़ा-थोड़ा करके पूरा करते रहना चाहिये। यही है व्यक्तित्व के कुछ सिद्धांत।

सू-दोकू नवताल - 2062

3		7		1	4		8	
	2		6				5	
6						1		9
5				6	9			8
	1	9				3	4	
4			3	2				5
9		2						1
	6				5		2	
	5		1	7		9		3

सू-दोकू -2061 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2062

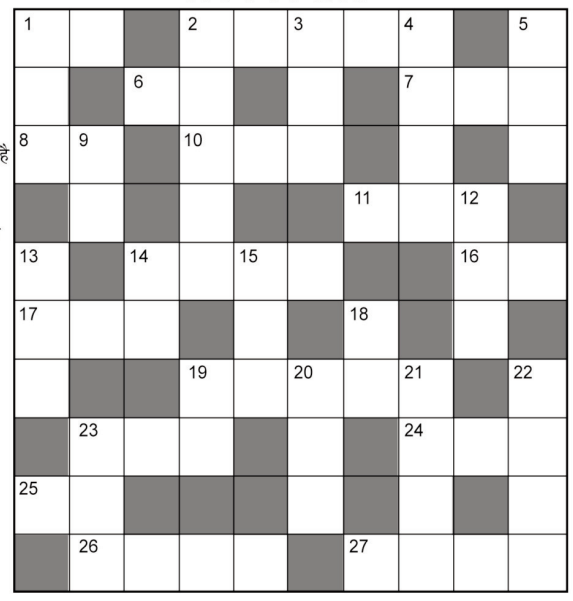

बायें से दायें:-

1. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-2
2. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-2,3
6. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-2
7. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-3
8. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-2
10. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-3
11. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-3
14. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-2,2
16. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-2
17. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-3
19. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-3,2
23. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
24. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-3
25. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-2
26. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-4
27. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-2,2

ऊपर से नीचे:-

1. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-3
2. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-2,3
3. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-3
4. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-2,2
5. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी ?-3
9. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-2
12. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-3
13. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-3
14. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-2
15. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-3
18. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-2
19. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है ?-2
20. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-3
21. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-2,2
22. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-4
23. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2061

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		शा
गा		ल		र्गि		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			छा	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	शा		भा	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रियल एस्टेट सेक्टर में विदेशी निवेश बढ़कर 23.9 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई।

देश के रियल एस्टेट सेक्टर में विदेशी निवेश 2017 से 2021 के दौरान इससे पिछले पांच वर्षों की तुलना में तीन गुना से अधिक बढ़कर 23.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी कोलियर्स और इंडस्ट्री बॉडी फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कोलियर्स ने भारतीय रियल एस्टेट में विदेशी निवेश पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक निवेशकों ने 2016 में नियामक सुधारों से उत्साहित देश के जमीन-जायदाद क्षेत्र में निवेश को लेकर रूचि दिखाई है। कंपनी ने कहा कि विदेशी निवेशकों ने 2017 से देश में अधिक उम्मीद के साथ निवेश करना शुरू किया है। इससे पहले विदेशी निवेशक भारत के रियल एस्टेट इंडस्ट्री में पारदर्शिता की कमी के कारण निवेश करने से बचते थे। आंकड़ों के अनुसार देश के रियल एस्टेट सेक्टर में 2017 से 2021 की अवधि के दौरान विदेशी निवेश बढ़कर 23.9 अरब डॉलर हो गया, जो 2012 से 2016 की अवधि के बीच 7.5 अरब डॉलर था। वहीं भारतीय अचल संपत्ति क्षेत्र में 2012 से 2021 के दौरान कुल निवेश बढ़कर 49.4 अरब डॉलर हो गया। इसमें विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 64 फीसदी है। इसके अलावा भारतीय रियल एस्टेट में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 2017-2021 के दौरान बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई, जबकि इससे पिछले पांच साल की अवधि में यह 37 फीसदी थी। परामर्श कंपनी के अनुसार विदेशी निवेश में अमेरिका और कनाडा से निवेश का हिस्सा 2017 के बाद से प्रत्येक वर्ष 60 फीसदी से अधिक रहा है।

रूस-यक्रेन जंग और विधानसभा चुनावों के नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली ।

विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल रूस-यूक्रेन युद्ध, वैश्विक शेयर बाजारों के रुझान, तेल की कीमतों और विधानसभा चुनावों के नतीजों पर निर्भर करेगी। इसके अलावा चीन और अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। भू-राजनीतिक अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है। इसके अलावा घरेलू स्तर पर 10 मार्च को विधानसभा चुनावों के नतीजे भी महत्वपूर्ण हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर रूस-यूक्रेन युद्ध एक महत्वपूर्ण कारक है, जो अस्थिरता का कारण बनेगा। इसके अलावा अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े 10 मार्च को घोषित होंगे, जिस पर भी वैश्विक बाजारों की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि कमोडिटी की कीमतें बढ़ रही हैं। खासतौर से कच्चे तेल की कीमतें, जो 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के करीब हैं, भारतीय बाजार के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है। इसलिए कच्चे तेल की कीमतों पर बाजार की नजर रहेगी। इस हफ्ते रूस-यूक्रेन संकट और कच्चे तेल पर इसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके अलावा घरेलू मोर्चे पर प्रतिभागी 10 मार्च को पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों पर नजर रखेंगे। इसके अलावा 11 मार्च को आईआईपी के आंकड़े भी आने हैं।

बीते सप्ताह तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते घरेलू बाजारों में गिरावट का रुख रहा। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 1,524.71 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी 413.05 अंक गिरा। बाजार के जानकारों ने कहा कि शेयर बाजार की दिशा भू-राजनीतिक तनाव से काफी प्रभावित होगी।

बीएसई ने एमएसएमई की सूचीबद्धता बढ़ाने एम-टीआईपीबी से किया समझौता

नई दिल्ली ।

बीएसई ने तमिलनाडु सरकार के एमएसएमई व्यापार और निवेश संवर्धन ब्यूरो (एम-टीआईपीबी) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य सूचीबद्धता के लाभ के बारे में राज्य के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के बीच जागरूकता बढ़ाना है। बीएसई ने कहा कि इस साझेदारी के तहत एम-टीआईपीबी जिला उद्योग केंद्रों के माध्यम से एसएमई प्रतिनिधियों को पूंजी जुटाने में सहायता करेगा और अपने एमएसएमई सदस्यों को क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बीएसई तमिलनाडु में छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को सूचीबद्धता (लिस्टिंग) संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण और अन्य मदद देगी। इसके अलावा, बीएसई पूरे तमिलनाडु में एसएमई के बीच सूचीबद्धता के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए बौद्धिक और जनशक्ति सहायता भी प्रदान करेगा। एम-टीआईपीबी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि बीएसई ने भारतीय पूंजी बाजार के विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है। तमिलनाडु एसएमई को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म में सूचीबद्ध करके आईपीओ के माध्यम से धन जुटाने का अवसर प्रदान करेगा। बीएसई देश में पहला स्टॉक एक्सचेंज था, जिसने एमएसई मंच शुरु किया। एसएमई प्लेटफॉर्म ने मार्च 2012 में अपना काम शुरू किया। तब से 363 से अधिक कंपनियों ने बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया है और 4,000 करोड़ रुपए से अधिक जुटाए हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध से भारत से गेहूं निर्यात में आई तेजी

नई दिल्ली।

यूक्रेन और रूस से जंग की वजह से दुनिया भर के व्यापार का गणित बिगड़ गया है। इस दौरान क्रूड ऑयल, मेटल, एडिबल ऑयल, गेहूं आदि कमोडिटी के दाम में उछाल आ गया है लेकिन भारत को एक फायदा भी हुआ है। यह फायदा है गेहूं के निर्यात में तेजी। इससे भारत के गेहूं किसानों की बल्ले-बल्ले है। केंद्र सरकार के फूड सेक्रेटरी सुधांशु पांडेय ने बताया कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के कारण वैश्विक कीमतों में उछाल के बाद भारत से गेहूं के निर्यात में तेजी आई है। उन्होंने बताया कि देश से होने वाला कुल गेहूं निर्यात चालू वित्त वर्ष में अब तक 66 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर को छू चुका है। यह आंकड़ा बीते फरवरी के अंत में ही छुआ जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय निर्यातकों के लिए यह एक अवसर है। क्योंकि गेहूं के अन्य वैश्विक उत्पादकों की तुलना में देश में गेहूं की नई फसल 15 मार्च से उपलब्ध हो जाएगी। इसलिए इस समय जो वैश्विक बाजार में गेहूं की जो रिक्ति हुई है, उसे भारत भर सकता है। उल्लेखनीय है कि रूस और यूक्रेन मिलकर वैश्विक गेहूं आपूर्ति के लगभग एक चौथाई हिस्से का निर्यात करते हैं। उनकी गेहूं की फसल इस साल अगस्त और सितंबर में पकेगी। नतीजतन, वैश्विक बाजार में गेहूं की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं और 24,000-25,000 रुपए प्रति टन के दायरे में चल रही हैं। उन्होंने बताया कि अब तक गेहूं का निर्यात वित्त वर्ष 2012-13 में हासिल किए गए 65 लाख टन के ऐतिहासिक उच्च स्तर को पार कर चुका है। अभी भी एक महीना बाकी है, आप इस साल लगभग 70 लाख टन से अधिक निर्यात की उम्मीद कर सकते हैं। कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार भारत का गेहूं उत्पादन फसल वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) में 11 करोड़ 13.2 लाख टन के नए रिकॉर्ड को छूने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

स्कोडा की भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की योजना

नई दिल्ली । प्रमुख ऑटो विनिर्माता स्कोडा भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों को लांच करने की योजना बना रही है। उसका मानना है कि देश में अगले कुछ वर्षों के दौरान हरित गतिशीलता खंड में काफी तेजी आएगी। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक जैक हॉलिस ने हालांकि कहा कि कंपनी की निकट भविष्य में सीएनजी वाहन लाने की कोई योजना नहीं है। उनसे जब पूछा गया कि क्या कंपनी देश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पेश करने की सोच रही है, तो उन्होंने कहा कि हमें ईवी खंड में उतरना होगा, क्योंकि हम भारत में दीर्घकालिक भविष्य की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा अनुमान है कि 2030 तक बाजार का 25-30 फीसदी हिस्सा इलेक्ट्रिक कारों का होगा और हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम अपनी भूमिका निभाएं, इसलिए हम इलेक्ट्रिक वाहनों को बाजार में लाएंगे। हॉलिस ने कहा कि ऑडी और पोर्श जैसी फर्मों ने भारतीय बाजार में हाई-एंड इलेक्ट्रिक वाहनों की पेशकश शुरू कर दी है। स्कोडा की ईवी पेशकश की समयसीमा के बारे में पूछने पर हॉलिस ने कहा कि कोई समयसीमा नहीं दे सकता, क्योंकि यह अभी भी विचार-विमर्श की स्थिति में है।

वैश्विक बाजार में कच्चा तेल में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध की वजह से वै श्विक बाजार में कच्चे तेल के भाव में जबरदस्त उछाल आया हुआ है। वहां पर कच्चे तेल का भाव 111.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाहाकार मचा हुआ है तो वहीं भारत में घरेलू तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। नवंबर 2021 से तेल के दाम स्थिर बने हुए हैं। गौरतलब है कि हर दिन सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। ईधन के दामों से वैट चार्ज को कम किया था ईधन के दामों से वैट चार्ज को कम किया था गौरतलब है कि पिछले साल 4 नवंबर को केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी को हटाया था उसके बाद से राज्य सरकारों ने भी ईधन के दामों से वैट चार्ज को कम किया था, जिसके बाद तेल के दामों में कमी आई थी लेकिन आज भी कई राज्यों में एक लीटर पेट्रोल का दाम 100 रु प्रति लीटर से ज्यादा है।

प्यूमा, पेपल और कई बड़ी कंपनियों ने रूस में बंद किया काम

मुंबई । युद्ध के खिलाफ लामबंद होते हुए प्यूमा कंपनी ने रूस में अपने उत्पादों की आपूर्ति और अपने स्टोर्स बंद करने का ऐलान किया है। इसके अलावा पेपल और एडोब ने रूस में अपना कामकाज बंद कर दिया है। साथ ही आईबीएम ने भी रूसी बाजार से अपना कारोबार समेटने की घोषणा की है। इन सब कंपनियों के अलावा वीजा, मास्टर कार्ड ने भी रूस में परिचालन निलंबित करने का ऐलान किया है। कंपनियों ने कहा कि वे आने वाले दिनों में रूस में सभी लेनदेन बंद कर देंगे। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध पिछले लगभग 11 दिनों से लगातार जारी है। यूक्रन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने शनिवार को देश को रूस के आक्रमण से लड़ने में मदद करने के लिए अमेरिकी सीनेटरों से और अधिक विमान भेजने के लिए का आग्रह किया है। वहीं यक्रेन के मारियुपोल और वोल्नोवाखा से लोगों को निकालने के लिए लागू किया गया सीजफायर टूट गया है। यूक्रेनी मीडिया के मुताबिक मारियूपोल में रूसी सेना ने सीजफायर तोड़ दिया है जिसके बाद मानवीय कॉरिडोर से आम लोगों को निकालने की प्रक्रिया सुरक्षा कारणों से रोक दी गई है। से आम लोगों को निकालने की प्रक्रिया सुरक्षा कारणों से रोक दी गई है। उधर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आगाह किया है कि मॉस्को यूक्रेन पर किसी भी तीसरे पक्ष की नो-फ्लाई ज़ोन की घोषणा को इस लड़ाई में भागीदार के रूप में माना जाएगा।

चालू वित्त वर्ष में अमूल को कारोबार 18 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली । अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाली भारत की अग्रणी डेयरी सहकारी संस्था जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक आरएस सोढ़ी ने कहा कि बेहतर मांग के चलते चालू वित्त वर्ष में कारोबार में 18 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है और यह 46,000 करोड़ रुपए के करीब रह सकता है। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) ने कोविड-19 महामारी के बीच वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान दो प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 39,200 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। उन्होंने कहा कि मक्खन, आइसक्रीम, दूध जैसे सभी उत्पादों की मांग में सुधार हुआ है। मात्रा के लिहाज से भी वृद्धि करीब 15 फीसदी रहेगी। पिछले वित्त वर्ष में जीसीएमएमएफ के कारोबार में मामूली वृद्धि हुई थी। इस दौरान कोविड-19 महामारी के चलते लागू लॉकडाउन के कारण आइसक्रीम की बिक्री में 35 प्रतिशत की गिरावट आई थी। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्था प्रतिदिन 150 लाख लीटर दूध बेचती है, जिसमें गुजरात लगभग 60 लाख लीटर, दिल्ली-एनसीआर 37 लाख लीटर और महाराष्ट्र 20 लाख लीटर का योगदान देता है। अमूल पंजाब, उत्तर प्रदेश और कोलकाता में भी दूध बेचती है। अमूल ने चालू वित्त वर्ष में दूध की कीमतों में दो बार बढ़ोतरी की है।

शीर्ष 10 कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण 2.11 लाख करोड़ रुपए घटा

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में पिछली सप्ताह चौतरफा बिकवाली के चलते शीर्ष 10 कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण 2.11 लाख करोड़ रुपए घटा गया। इस दौरान एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर सबसे अधिक प्रभावित हुए। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव, तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के बीच छुट्टियों से छोटे हुए सप्ताह में सेंसेक्स 1,524.71 अंक या 2.72 प्रतिशत टूट गया। शीर्ष 10 कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण संयुक्त रूप से 2,11,155.03 करोड़ रुपए गिर गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 49,321.79 करोड़ रुपए घटकर 7,57,610.16 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 35,396.59 करोड़ रुपए घटकर 4,74,593.94 करोड़ रुपए पर आ गया। बाजार पूंजीकरण 35,396.59 करोड़ रुपए घटकर 4,74,593.94 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी का पूंजीकरण 33,023.19 करोड़ रुपए घटकर 4,02,210.71 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का पूंजीकरण 29,343.26 करोड़ रुपए घटकर 4,78,070.84 करोड़ रुपए हो गया । बीते सप्ताह बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक के बाजार पूंजीकरण में भी कमी हुई। इसके विपरीत, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का पूंजीकरण 28,006.22 करोड़ रुपए बढ़कर 15,73,050.36 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इंफोसिस का पूंजीकरण 12,470.59 करोड़ रुपए बढ़कर 7,24,913.68 करोड़ रुपए और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मूल्यांकन 2,034.48 करोड़ रुपए बढ़कर 13,03,989.59 करोड़ रुपए हो गया।

जीएसटी परिषद निचली कर दर में वृद्धि और स्लैब को तर्कसंगत बनाने पर कर सकती है विचार

नई दिल्ली।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शीर्ष नीति-निर्धारक इकाई जीएसटी परिषद की अगली बैठक में सबसे निचली कर दर को पांच प्रतिशत से बढ़ाकर आठ प्रतिशत करने पर विचार कर सकती है। इसके अलावा राजस्व बढ़ाने और क्षतिपूर्ति के लिए केंद्र पर राज्यों की निर्भरता खत्म करने के लिए जीएसटी प्रणाली में छूट वाले उत्पादों की सूची में भी काट-छांट की जा सकती है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्यों के वित्त मंत्रियों की एक समिति जीएसटी परिषद को इस माह के अंत तक अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है जिसमें सबसे निचले कर स्लैब को बढ़ाने और स्लैब को तर्कसंगत बनाने जैसे कई कदमों के सुझाव दिए जाएंगे। अभी जीएसटी में चार-स्तरीय कर ढांचा है जिसमें कर की दर पांच फीसदी, 12, 18 और 28 फीसदी है। आवश्यक वस्तुओं को या तो इस कर से छूट प्राप्त है या फिर उन्हें सबसे निचले स्लैब में रखा जाता है जबकि लग्जरी वस्तुओं को सबसे ऊपरी कर स्लैब में रखा जाता है। सूत्रों के मुताबिक मंत्री समूह कर की दर पांच फीसदी से बढ़ाकर आठ फीसदी करने का प्रस्ताव रख सकता है जिससे सालाना 1.50 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। निचले स्लैब में एक फीसदी की वृद्धि करने पर सालाना 50,000 करोड़ रुपए का राजस्व लाभ होगा, इस स्लैब में पैकेटबंद खाद्य पदार्थ आते हैं। कर प्रणाली को तर्कसंगत बनाने के लिए मंत्री समूह इसका ढांचा तीन स्तरीय करने पर भी विचार कर रहा है जिसमें कर की दर आठ, 18 और 28 फीसदी रखी जा सकती है। अगर यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है तो 12 फीसदी के दायरे में आने वाले सभी उत्पाद एवं सेवाएं 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी। इसके अलावा मंत्री समूह जीएसटी से छूट प्राप्त वस्तुओं की संख्या कम करने का भी प्रस्ताव देगा। अभी बिना ब्रांड वाले और बिना पैकेज वाले खाद्य पदार्थ और डेयरी वस्तुएं जीएसटी के दायरे से बाहर हैं। सूत्रों ने बताया कि जीएसटी परिषद की बैठक इस महीने के अंत में या अगले महीने की शुरुआत में हो सकती है। इसमें मंत्री समूह की रिपोर्ट पर चर्चा की जाएगी।

यात्री वाहन खंड में दबदबा बनाए रखने के लिए एसयूवी की मजबूती जरूरी: मारुति

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने तेजी से बढ़ते एसयूवी उपखंड में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आने वाले वक्त में घरेलू यात्री वाहन खंड में दबदबा बनाए रखने के लिए एसयूवी उपखंड में मजबूती जरूरी है। घरेलू यात्री वाहन खंड में एमएसआई की बाजार हिस्सेदारी पिछले साल 48 प्रतिशत से घटकर 45 प्रतिशत हो गई थी। इस कमी को भरने के लिए कंपनी एसयूवी खंड पर खासतौर से जोर दे रही है। एमएसआई के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि अगर कंपनी को बाजार में अपने लक्ष्यों को हासिल करना है, तो उसे एसयूवी खंड में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा कि गैर-एसयूवी खंड में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी पिछले पांच वर्षों में बढ़ रही है और सिर्फ एसयूवी जैसे उपखंड में वह पीछे है। उन्होंने कहा, बढ़ रही है और सिर्फ एसयूवी जैसे उपखंड में वह पीछे है। उन्होंने कहा, इसलिए, हम अपने एसयूवी पोर्टफोलियो को मजबूत करना चाह रहे हैं, उद्योग में इस समय एसयूवी खंड में 46 ब्रांड हैं। हमारे पास दो हैं - ब्रेजा और एस-क्रॉस।÷ उन्होंने आगे कहा, ब्रेजा शुरुआती स्तर के एसयूवी खंड में अग्रणी है तो इसका मतलब है कि भले ही आपके पास ब्रेजा जैसा बेस्ट सेलर हो एसयूवी खंड में हमारी बाजार हिस्सेदारी कम है। इसका मतलब है कि हमें पोर्टफोलियो को मजबूत करने की जरूरत है और हम ऐसा ही करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यात्री वाहन खंड में एसयूवी की हिस्सेदारी 38 प्रतिशत है, जो पिछले साल 32 प्रतिशत थी।

जीएसटी काउन्सिल की अगली बैठक में सबसे कम टैक्स स्लैब को 5 से बढ़ाकर 8 फीसदी करने की तैयारी

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल और खाने के तेल के दाम बढ़ने के बाद अब आम आदमी पर महंगाई की एक और मार पड़ने वाली है। सरकार जीएसटी की सबसे कम स्लैब पर टैक्स की दर बढ़ा सकती है। इसका असर सीधे आम आदमी पर पड़ेगा। दरअसल, जीएसटी काउंसिल की होने वाली अगली बैठक में सबसे कम टैक्स स्लैब को 5 फीसदी से बढ़ाकर 8 फीसदी किया जा सकता है। इसके साथ ही जीएसटी व्यवस्था में छूट की सूची को कम किया जा सकता है। राज्यों के वित्त मंत्रियों की एक समिति इस महीने के अंत तक अपनी रिपोर्ट जीएसटी काउंसिल को सौंप सकती है। इसमें सरकार की कमाई यानी राजस्व बढ़ाने के लिए अलग-अलग कदमों का सुझाव दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि जीएसटी की सबसे निचली दर को 5 फीसदी से बढ़ाकर 8 फीसदी करने से सरकार को अतिरिक्त 1.50 लाख करोड़ रुपये का सालाना राजस्व मिल सकता है। इस स्लैब में मुख्य रूप से पैकेज्ड खाद्य पदार्थ शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि वित्त मंत्रियों की समिति अगली बैठक में एक तीन स्तरीय जीएसटी संरचना पर भी विचार कर सकती है। इसकी दरें 8, 18 और 28 फीसदी हैं। अगर प्रस्ताव पास हो जाता है तो सभी वस्तुओं और सेवाओं पर वर्तमान में 12 फीसदी टैक्स लगता है, जो इसके बाद 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएगा। फिलहाल जीएसटी के चार स्लैब हैं। 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी। लग्जरी उत्पादों पर सबसे ज्यादा टैक्स लगता है। लग्जरी और सिन गुड्स पर सबसे अधिक 28 इस सेस कलेक्शन का उपयोग जीएसटी के आने के बाद राज्यों को राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए किया जाता है।

विदेशी निवेशकों का घटा भरोसा, भारतीय बाजारों से मार्च में अब तक निकाले 17,537 करोड़

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफपीआई का भारतीय बाजार से पैसे निकालने का सिलसिला जारी है। एफपीआई ने मार्च के 3 ट्रेडिंग सेशन में भारतीय बाजारों से 17,537 करोड़ रुपए की निकासी की है। विदेशी निवेशकों की मौजूदा धारणा रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से उत्पन्न अनिश्चितता से प्रभावित हुई है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने 2 से 4 मार्च के दौरान इक्विटी से 14,721 करोड़ रुपए और डेट सेगमेंट से 2,808 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में 9 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे कुल नेट आउटफ्लो 17,537 रुपये करोड़ हो गया। गौरतलब है कि एफपीआई अक्टूबर, 2021 से लगातार भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। फरवरी, 2022 में एफपीआई की निकासी मार्च, 2020 के बाद सबसे ऊंची रही है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा युद्ध से उत्पन्न अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से वैश्विक स्तर पर बाजार की धारणा प्रभावित हुई है।

मोहाली । टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने श्रीलंका के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। अपने 85 वें टेस्ट में अश्विन ने दिन श्रीलंका की दूसरी पारी में पाथुम निसांका का विकेट लेते ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 434 विकेट पूरे किए। इसके साथ ही अश्विन ने महान ऑलराउंडर कपिल देव के रिकॉर्ड व बराबरी की है। अब दोनों गेंदबाज टेस्ट में संयुक्त रुप से 434-434 विकेट के साथ भारत के दूसरे सफल गेंदबाज बन गये हैं। वहीं पहले नंबर पर दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंब कंबले के नाम टेस्ट में 619 विकेट हैं। अब दोनों गेंदबाज टेस्ट में संयुक्त रुप से 434-434 विकेट के साथ भारत के दूसरे सफल गेंदबाज बन गये हैं। वहीं पहले नंबर पर दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले हैं। कंबले के नाम टेस्ट में 619 विकेट हैं। दूसरी ओर पूर्व भारतीय कप्तान कपिल ने 131 टेस्ट में 434 विकेट लिए थे। 23 बार 5 और 2 बार 10 विकेट ले कारनामा किया। वहीं अश्विन का यह 85वां टेस्ट है। उन्होंने अब तक 434 विकेट लिए हैं। 30 बार 5 और 7 बार 10 विकेट झटके लिए हैं। अश्विन अभी टेस्ट क्रिकेट में सबसे अ विकेट लेने के मामले में 9वें नंबर पर हैं। श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 800 विकेट के साथ शीर्ष पर हैं।

ारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को एक पारी और 222 रनों से हराया

जडेजा रहे मैन ऑफ द मैच

मोहली ।

नये कप्तान रोहित शर्मा के च में भारतीय टीम ने टेस्ट ोज में भी जीत के साथ आत की है। भारतीय टीम ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में ान टीम श्रीलंका को एक पारी 222 रनों से हरा दिया। इस प्रकार भारतीय टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले रविन्द्र जडेजा को मैन ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। जडेजा ने पहली पारी में नाबाद 175 रन बनाने के साथ ही गेंदबाजी के दौरान पहली पारी में पांच जबकि दूसरी पारी में चार विकेट लिए। इस प्रकार उन्होंने कुल 9 विकेट अपने नाम किये। जडेजा के शतक से भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 8 विकेट पर 574 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद श्रीलंकाई टीम अपनी पहली पारी में 174 रनों पर ही आउट हो गयी। पहली पारी के आधार पर 400 रनों से पीछे होने के बाद फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में भी श्रीलंकाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 178 रनों पर ही आउट हो गई। इस प्रकार श्रीलंका को एक पारी और 222 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। तीसरे दिन जैसे ही आर अश्विन ने लाहिरू कुमारा के रुप में श्रीलंका की टीम का आखिरी विकेट लिया भारतीय टीम को जीत मिल गयी। अश्विन ने लाहिरू को 4 रनों पर ही आउट कर दिया। श्रीलंका की टीम को दूसरा झटका भी अश्विन ने ही दिया। अश्विन ने पाथुम निसांका को 6 रन पर आउट किया। वहीं श्रीलंका की टीम का 9वां विकेट तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने लिया। शमी ने विश्व फर्नाडों को शून्य पर ही पेवेलियन भेज दिया। लसिथ एम्बुलडेनिया ने भारतीय गेंदबाजों को रोकने का प्रयास किया पर जडेजा ने उन्हें पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद जडेजा ने सुरंगा लकमल को अपना शिकार बनाया। पहली पारी की तरह ही लकमल दूसरी पारी में भी खाता नहीं खोल पाये। अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज को जडेजा ने 28 रन बनाकर पेवेलियन भेज दिया। अश्विन ने चरिथ असलंका को 20 रन पर आउट कर श्रीलंकाई टीम को पांचवां झटका लिया। विराट कोहली के हाथों कैच आउट करवाकर भारतीय टीम को 5वीं सफलता दिलाई।

श्रीलंका को चौथा विकेट डीसिल्वा के रूप में गिरा वह जडेजा की गेंद पर श्रेयस के हाथों 30 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। कप्तान दिमुथ करूणारत्ने 27 बनाकर शमी का शिकार बने। श्रीलंकाई टीम की दूसरी पारी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और फॉलोऑन के बाद बल्लेबाजी के लिए पहुंची श्रीलंकाई टीम ने अपना पहला विकेट गंवा लिया है। अश्विन ने सलामी बल्लेबाज लाहिरू थिरिमाने को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया।

जीत के बाद मिताली ने कहा-हमें अभी भी सुधार की जरूर

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारतीय टीम ने महिला विश्वकप की शुरूआत जीत के साथ की है। भारत ने विश्वकप के अपने पहले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंदी टीम पाकिस्तान को 107 रन से हरा दिया है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 244 रन बनाए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने आई पाकिस्तान की टीम 43 ओवर में ही 137 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत से भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज काफी खुश हैं पर उन्होंने कहा कि हमें अभी बहुत सी चीजों में काम करना है। मैच के बाद मिताली राज ने कहा कि हमारी टीम के लिए हर मैच जीतना बेहद जरूरी है। पर अभी भी टीम को बहुत सी चीजों पर काम करने की जरूरत है। जब आप मध्यक्रम के बल्लेबाजों के विकेट गंवाते हैं तो यह टीम पर काफी दबाव डालता है। विश्वकप जैसे बड़े टूर्नमेंटों में टीम के टॉप ऑर्डर को रन बनाना जरूरी होता है। मिताली ने पूजा और स्नेह राणा की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि जब आपके पास टीम में इस तरह के खिलाड़ी होते हैं तो बैटिंग लाइनअप काफी लंबी हो जाती है। स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर की साझेदारी टीम के लिए अहम रही। दोनों ही खिलाड़ियों ने सूझ-बूझ के साथ बल्लेबाजी की और टीम के स्कोर आगे लेकर गई। पाकिस्तान

खिलाफ मुकाबले में भारत तरफ से स्मृति मंधाना ने 52, वस्त्राकर ने 67 और स्नेह रा 53 रन की बहुमूल्य पारी र इन खिलाड़ियों की अर्धशत पारियों के बदौलत ही भारत रन बनाने में कामयाब हो वहीं गेंदबाजी में राजे गायकवाड़ ने 4 विकेट त पाकिस्तान टीम की कमर तो और भारत को 107 रन से दिला दी।

श्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट े वाले 11 वें गेंदबाज बने

मोहाली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम रिकार्ड बनाया है। धनंजय डि सिल्वा को आउट करने के साथ ही अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले विश्व के 11वें ज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकार्ड न्यूजीलैंड के महान गेंदबाज रचर्ड हेडली के नाम था। रिकार्ड तोड़ दिया। अश्विन के अब टेस्ट ट में अश्विन के अब टेस्ट क्रिकेट में कुल 431 विकेट हो गये हैं। हेडली ने अपने टेस्ट करियर में कुल 431 विकेट लिए थे। अश्विन ली पारी में श्रीलंका के ओपनर लाहिरू थिरिमाने को आउट किया से वह हेडली की बराबरी पर आ गए। इसके बाद उन्होंने धनंजय को आउट किया जिससे वह हेडली से आगे निकल गए। अश्विन अपने करियर का 85वां मैच खेल रहे हैं। अश्विन अब श्रीलंका के दिग्गज न अपने टेस्ट करियर का 85वां मैच खेल रहे हैं। अश्विन अब का के दिग्गज गेंदबाज रंगना हेराथ , भारतीय टीम के पूर्व कप्तान त देव और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन के र्ड को भी तोड़ सकते हैं। रंगना ने टेस्ट क्रिकेट में 433 विकेट लिए हीं, पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव के नाम 434 विकेट दर्ज हैं। अलावा वह डेन स्टेन के 439 टेस्ट विकेटों का भी रिकॉर्ड ध्वस्त सकते हैं।

महिला विश्व कप : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 107 रनों से हराया

माउंट माउंगानुई ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। भारतीय टीम ने अपने पहले ही मुकाबले में पाकिस्तान को 107 रनों से हराया। भारतीय टीम ने इस मैच में पाकिस्तान को जीत के लिए 245 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में पाक टीम 137 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने पूजा वस्त्राकर के 67 , स्नेह राणा के नाबाद 53 रन और स्मृति मंधाना के 52 रनों की सहायता से 7 विकेट पर 244 रन बनाए थे। इस जीत के साथ ही महिला टीम का पाक के खिलाफ अजेय रहने का रिकार्ड बरकरार है। भारतीय टीम ने अभी तक पाक के खिलाफ सभी 11 मैच जीते हैं। वहीं अब तक कुल मिलाकर विश्व कप में भारत की पाक पर यह चौथी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2009, 2013 और 2017 में पाक को हराया था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर ही सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा ने 92 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। मंधाना के 51 रन बनाकर आउट होने के बाद फिर टीम लड़खड़ा गयी। दीप्ति शर्मा ने 40 रन बनाये। बीच में लगातार विकेट गिरने से भारतीय टीम ने 114 रनों पर ही छह विकेट खो दिये। भारत की ओर से पूजा वस्त्राकर ने सबसे ज्यादा 67 और स्नेह राणा ने नाबाद 53 रन बनाये। पूजा और स्नेह के बीच सातवें विकेट के लिए 122 रनों की रिकार्ड शतकीय साझेदारी हुई। वहीं इस मैच में कप्तान मिताली राज 35 गेंद में केवल 9 रन ही बना पायीं। ऋचा घोष एक रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। उपकप्तान हरमनप्रीत कौर भी 13 गेंद में 5 रन ही बना पायीं।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम की शुरुआत भी धीमी रही। 28 के स्कोर पर टीम का पहला विकेट गिरा। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे और पूरी टीम 43वें ओवर में 137 रनों पर ही आउट हो गयी। भारत की ओर से राजेश्वरी गायकवाड़ ने सबसे ज्यादा 4 जबकि अनुभवी झूलन गोस्वामी और स्नेह राणा ने 2-2 विकेट लिए।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल का पहला मैच सीएसके और केकेआर के बीच होगा : बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपी 2022 के 15वें सत्र के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया बीसीसीआई के इस कार्यक्रम के अनुसार आईपीएल सत्र का प मैच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाईट राइ (केकेआर) के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7 बज 30 मिनट पर शुरु होगा। वहीं आईपीएल की शुरूआत 26 मार्च हो रही है जबकि 29 मई को लीग का खिताबी मुकाबला खे जाएगा। इस बार आईपीएल में दो नई टीमें शामिल की गयी हैं। प्रकार इस बार 8 की जगह 10 टीमें खेलेंगी। लखन सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटंस की नई टीमें पहली बार आईपी में भाग ले रही हैं। वहीं इस बार आईपीएल में 70 मैच खेले जाए कोरोना संक्रमण के मामले कम होने के कारण आईपीएल के स मुकाबले भारत में ही खेले जाएंगे। ये मैच महाराष्ट्र के मुम्बई अ पुणे में खेले जाएंगे। इसमें 55 मैच मुंबई में होंगे। इमसें वानख स्टेडियम में 20 सीसीआई के मैदान में 15 जबकि डीवाई पाटिल 20 मैच खेले जाएंगे। वहीं पुणे के मैदान एमसीए मैदान में 15 खेले जाएंगे।

मेक्सिको में फुटबॉल मैच में भिड़े प्रशंसक

मेक्सिको सिटी । मेक्सिको में रैन लीग चैंपियनशिप फुटब मैच में प्रशंसकों के बीच हुई हिंसा से करीब दो दर्जन लोग घा हुए हैं। इसके कारण कुछ समय तक के लिए मैच भी रोकना प मध्य मेक्सिको में एक फुटबॉल मैच के दौरान दोनों टीम के समर्थ में जमकर हिंसा हुई। इससे करीब 22 लोग घायल हुए हैं। इसमे दो लोग गंभीर हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार,प्रशसंकों के ब झड़प के बाद मेजबान क्वेरेटारो और ग्वाडालाजारा की एटलस त के मैच को भी 62वें मिनट में रोकना पड़ा। झड़प होने के क दर्शकों को बाहर निकालने के लिए सुरक्षाकर्मियों ने मैदान के स दरवाजे खोल दिये। वहीं सुरक्षा एजेंसी के अनुसार अब तक वि की मौत की खबर नहीं है। 22 लोग घायल हुए हैं जिनमें से नौ सिविल अस्पताल ले जाया गया।''

100 मैच में विराट नहीं पकड़ पाये मैथ्यूज का कैच

मोहाली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली लिए 100 टेस्ट उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा। विराट इस मैच अर्धशतक तक नहीं लगा पाये। इसके बाद क्षेत्ररक्षण के दौरान उन कैच भी छोड़ दिया। श्रीलंका की दूसरी पारी में टीम के अनु खिलाड़ी एंजेलो मैथ्यूज का कैच विराट नहीं पकड़ पाये। स्पि जयंत यादव के ओवर की दूसरी गेंद पर बल्लेबाज मैथ्यूज ने गेंद टर्न करने का प्रयास किया पर गेंद सीधे उनके बल्ले का किनारा ले स्लिप की तरफ गई पर विराट कैच नहीं पकड़ सके और मैथ्यूज एक रन पर ही जीवनदान मिल गया। इस मैच में प्रशंसकों को वि से 71 वें शतक की उम्मीद की भी उम्मीद थी पर उनके 45 रनों आउट होने से प्रशंसकों को निराशा हुई।

8वीं लाल परेड ओपन भोपाल बैड़मिंटन स्पर्धा : आशीष प्रधान बने चैम्पियन -

भोपाल/इन्दौर ।

ाशीष प्रधान ने दमदार खेल हारे अक्षय पांचाल को 21- 21-16 से हराकर 8वीं ल परेड ओपन भोपाल मिन्टन प्रतियोगिता के पुरूष ल का खिताब जीत लिया। जंग प्लेयर लव नायक तथा ी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी आशीष प्रधान बने। स्पर्धा में आशीष प्रधान, धीरेन देसाई-रविन्दर चालवा, बीके सोनी ने दोहरे खिताब अर्जित किये। लाल परेड ग्राउन्ड स्पोटर्स क्लब द्वारा पुलिस जिम्नेशियम हॉल, जहांगीराबाद में आयोजित इस स्पर्धा में पुरूष एकल खिताबी मुकाबले में आशीष प्रधान ने अक्षय पांचाल को सीधे गेमों में 21-12, 21-16 से तथा पुरूष युगल में विजय निकुम के साथ मिलकर कांटे के मुकाबले में तनवीर सिंह-जयंत अलोने को 21-18, 20-22, 22-20 से परास्त कर दोहरा खिताब अपने नाम किया। 50 वर्ष वर्ग के फाइनल में राजीव सक्सैना-गिरीष मनचंदा ने मनु व्यास-राजेश गुप्ता को कडे मुकाबले में 21-19, 21-16 से हराकर खिताब जीता। 40 वर्ष वर्ग में धीरेन देसाई-रविन्दर चावला ने अमित साहू-पंकज जैन की जोडी को आसानी से 21-7, 21-11 से शिकस्त देकर विजेता बनने का गौरव अर्जित किया। मिश्रित युगल में अदिति वर्मा-दिवेश मलिक ने स्नेहा सरकार-जयंत अलोने को 21-12, 21-16 से हराया। क्लब के सदस्य अमित बिन्दल को भोपाल चेम्बर्स ऑफ कामर्स की कार्यकारिणी में चुने जाने पर स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक, म.प्र. सुधीर कुमार सक्सेना ने पुलिस महानिदेशक होमगार्ड पवन जैन की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण किया। समारोह में डॉ शैलेन्द्र श्रीवास्तव, विपिन माहेश्वरी, एडीजी एसटीएफ, संचालक खेल रवि गुप्ता, अगम जैन व सागर विशेष रूप से उपस्थित थे। पूर्व में अतिथियों का स्वागत पवन भदौरिया, डॉ समीर सिंह, गिरीश मनचंदा, कुलवंत पुरी, राजीव सक्सैना, पवन वाधवा इत्यादि ने किया। कार्यक्रम का संचालन दामोदर प्रसाद आर्य ने किया।

मैरीकॉम का बड़ा फैसला : युवाओं के लिए नहीं खेलेंगी विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेल

नई दिल्ली । ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज एक सी मैरीकॉम ने युवाओं को मौका देने के लिए इस साल होने वाली विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों में नहीं खेलने का फैसला किया है। छह बार की विश्व चैम्पियन बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी तैयारियों पर ध्यान लगाना चाहती हैं। आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप तुर्की के इस्तांबुल में छह से 21 मई तक खेली जाएगी। 2022 राष्ट्रमंडल खेल 28 जुलाई से और 2022 एशियाई खेल 10 सितंबर से शुरू होंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) को एक संदेश में मैरीकॉम ने कहा कि मैं युवा पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद का नाम बनाने और बड़े टूर्नामेंट में 'एक्सपोजर' और अनुभव हासिल करने का मौका देने के लिए इन टूर्नामेंट में भाग नहीं लेना चाहूंगी। मैं अपना ध्यान सिर्फ राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों पर ही लगाना चाहूंगी। विश्व चैम्पियनशिप के लिए सभी 12 वर्गों के चयन ट्रायल सोमवार से शुरू होकर बुधवार को खत्म होंगे। ट्रायल्स में एशियाई खेलों के वजन वर्ग भी शामिल हैं जो आईबीए जैसे ही हैं। चैम्पियनशिप के लिए सभी 12 वर्गों के चयन ट्रायल सोमवार से शुरू होकर बुधवार को खत्म होंगे। ट्रायल्स में एशियाई खेलों के वजन वर्ग भी शामिल हैं जो आईबीए जैसे ही हैं। बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने एक बयान में कहा कि मैरीकॉम पिछले दो दशक से भारतीय मुक्केबाजी की सिरमौर रही हैं और उन्होंने दुनिया भर में अनगिनत मुक्केबाजों और खिलाडियों को प्रेरित किया है। हम उनके फैसले का पूरा सम्मान करते हैं और अन्य मुक्केबाजों को मौका देना उनके चैम्पियन व्यक्तित्व का ही प्रमाण है। एशियाई खेलों के लिये पुरूषों के चयन ट्रायल्स मई में जबकि पुरूष और महिलाओं के लिये राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल्स जून में कराए जाएंगे।

भारत के खिलाफ मैच में बेटी के साथ पहुंचीं पाकिस्तानी कप्तान

ल डैस्क । आईसीसी महिला विश्व कप 2022 के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे मुकाबले से पहले बड़ा प्यारा सा दृश्य देखने को । पाकिस्तान टीम की कप्तान बिस्माह महरूफ अपनी सात महीने की बेटी के साथ ग्राऊंड में पहुंची थी। उनकी एक तस्वीर आईसीसी ने भी शेयर ारी शक्ति को सलाम किया है। बता दें कि बिस्माह की शादी अबरार अहमद से 28 नवंबर 2018 को हुई थी। अबरार पेशे से सॉफ्टवेयर ियर हैं। बिस्माह पहले डॉक्टर बनना चाहती थी लेकिन वह क्रिकेटर बन गई। बिस्माह ने अब तक पाकिस्तान टीम के लिए 108 वनडे और इतने 20 मैच खेले हैं. उन्होंने वनडे में 2602 और टी20 में 2225 रन बनाए हैं. हालांकि, वह अब तक किसी भी फॉर्मेट में शतक नहीं लगा सकीं, न वनडे में 99 रन पर आउट होकर शतक से चूक गई थीं... मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए स्मृति मंधाना, स्नेह राणा और वस्त्राकार के अर्धशतकों की मदद से 244 रन बनाए थे। इस दौरान मिताली राज और हरमनप्रीत अपनी धीमी बल्लेबाजी को लेकर निंदा का शिकार लेकिन भारतीय गेंदबाजी शानदार रही। पाकिस्तान 137 रनों पर ही ऑलआऊट हो गई।

ीलंका खिलाफ शानदार प्रदर्शन पर बोले जडेजा-मोहाली मेरे लिए भाग्यशाली

मोहाली ।

अपने जबरदस्त आलराउंड प्रदर्शन (नाबाद 175 और कुल 9 विकेट) की बदौलत प्लेयर ऑफ़ द मैच बने रवींद्र जडेजा ने मोहाली के मैदान को अपने लिए भाग्यशाली यह मेरे लिए काफी भाग्यशाली ग्राउंड है, मैं यहां जब भी आता हूं तो मैं अच्छा प्रदर्शन करता हूं। जब पंत बल्लेबाज़ी कर रहा था तब मैं बस उसे बल्लेबाज़ी करते हुए आराम से देख रहा था और खुद पूरे धैर्य के साथ बल्लेबाज़ी कर रहा आंकड़ों या रिकॉर्ड के बारे में मुझे ज़्यादा पता नहीं था। जडेजा ने कहा कि मैं ख़ुश हूं कि मैंने बढ़िया प्रदर्शन किया। जब आप इस तरीके का प्रदर्शन करते हैं तो आपको काफ़ी बढ़िया महसूस होता है। मैंने अपने बल्लेबाज़ी में कुछ बढ़ा हूं। मैं सेट होने की कोशिश करता हूं और उसके बाद मैं अपने शॉट खेलता हूं। मैं अपनी पारी को सरल रखने की कोशिश करता हूं। मैंने एसजी गुलाबी गेंद से कोई मैच नहीं खेला है, इसलिए यह कुछ नया होगा। उम्मीद है कि

मध्यक्रम को रन बनाने होंगे : मिताली

माउंट माउंगानुई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने आईसीसी महिला विश्वकप के पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ मिली शानदार जीत पर खुशी जतायी है पर साथ ही कहा है कि टीम को अपने प्रदर्शन में अभी और सुधार करना होगा। भारतीय महिला टीम ने अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान को 107 रनों से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। मिताली ने कहा कि हमें अभी बहुत सी चीजों को बेहतर करना है। मिताली ने कहा कि हमारी टीम के लिए हर मैच जीतना अभी जरूरी है। पर अभी भी हमें बहुत सी चीजों पर काम करना होगा। मिताली ने कहा कि मध्यक्रम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा क्योंकि इसके असफल होने से निचले क्रम पर ज्यादा दबाव आता है। विश्वकप जैसे सबसे बड़े टूर्नामेंट बनाना शीर्ष क्रम की जिम्मेदारी है। मिताली ने पाक के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करने वाली पूजा वस और स्नेह राणा की बल्लेबाजी की भी जमकर प्रशंसा की है। मिताली ने पाक के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर।

प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।
- दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।
- आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।
- दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।
- यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

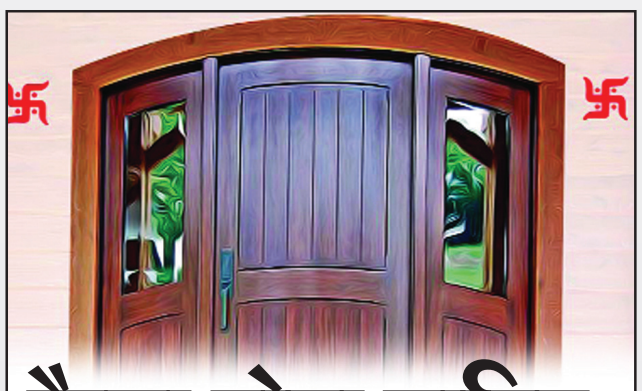

कैसा होना चाहिए घर का मुख्य द्वार

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो। दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

- एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।
- दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।
- एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।
- ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।
- घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।
- कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।
- मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।
- मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।
- घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।
- घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

क्या कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतलब यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

धर्म शास्त्रों में भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। सूर्य उपासना से न केवल सुख-समृद्धि आती है, बल्कि यश भी बढ़ता है।

सूर्योपासना के समय जपें ये खास मंत्र

महिलाओं को रविवार और सोमवार को सूर्योपासना से घर में समृद्धि व गर्भवती महिलाओं को गुणी पुत्र की प्राप्ति होती है। बह्मवैवर्त पुराण के अनुसार इन दिनों में खेजड़ी के पेड़ के नीचे प्रातः काल सूर्योपासना करते हुए इस मंत्र का 51 बार जाप करने से लाभ मिलता है-

नमः उग्राय वीराय सारंगाय नमो नमः।
नमः पद्मप्रबोधाय प्रचंडाय नमोस्तु ते।।
ओम आदित्याय नमः।

आत्मबल, बुद्धि, इन्द्रियों में सौम्यता, शिष्टता, काम, क्रोधादि शमन व मानसिक पीड़ा से मुक्ति के लिए इन महीनों में आने वाले हर रविवार को खेजड़ी के नीचे सूर्य के सामने बैठ इस मंत्र का 51 बार वाचन करें। पेड़ के नीचे की मिट्टी को लाकर घर में फेंकना शुभ होता है।

ओम नमः पूर्वाय गिरये पश्चिमायाद्रये नमः।
ज्योतिर्गणानां पतये दिनाधिपतये नमः।।
ओम सूर्याय नमः।

जिन महिलाओं को संतान सुख न हो, ऐसी महिलाओं को आंवले के पेड़ के नीचे अथर्ववेद के इस मंत्र का 101 बार जाप व सूर्य देव को जल सिंचन करने से संतान प्राप्ति सुख संभव है-

परिहस्त विधारय योनिं गर्भाय धातवे।
ओम भास्कराय नमः।

नीलें रंग के अपराजिता (विष्णुकान्ता) नामक पौधे के नीचे इस मंत्र का जाप करने से घर के मुकदमेबाजी व न्यायालय में विजय, घर में समृद्धि व स्नायु तंत्र (नर्वस सिस्टम), चर्म रोग व श्वसन संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है। इस पौधे के न होने की दशा में पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर सूर्य को जल सिंचन कर इस मंत्र का 101 बार जाप करें -

ओम विश्वानिदेव सवितुः दुरितानि परांसुवः
यद् भद्रं तन्नासुवः। सूर्य कृणोतु भेशजं
चन्द्रमा वोपोच्छतु।।
ओम सूर्याय नमः।

दीर्घायु व हृदय संबंधी बीमारियों के लिए आश्विन व कार्तिक मास के प्रति रविवार बड़, ढाक, अशोक या सूर्यमुखी पौधे के नीचे आदित्य हृदय स्तोत्रम का पाठ करें या अथर्ववेद के इस मंत्र का 51 बार जाप करें -

उत सूर्योदिव एति पुरो रक्षांसि निजूर्वन।
ओम भानवे नमः।

कुशाग्र बुद्धि, इंटरव्यू में सफलता व शिक्षा से जुड़े पक्षों तथा वायु संबंधी रोगों के निवारण के लिए अथर्ववेद के इस मंत्र का पीपल के पेड़ के नीचे प्रातः काल हर रविवार इस मंत्र के जाप से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यं जीवमष्नवामहै न स रिष्याति पुरुषः।
त्वं सूर्यस्य रश्मिभिस्त्वं नोअसियज्ञिया।।
ओम सूर्याय नमः।

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।
- द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।
- परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।
- इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।
- इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।
- इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर नहीं रहना चाहिए घर

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

- दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।
- भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।
- यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।
- यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।
- दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।
- सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।
- सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।
- जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

सऊदी अरब में भारतीयों के लिए सभी कोरोना प्रतिबंध समाप्त

वीजा में कोरोना इलाज के खर्च को वहन करने वाला बीमा अनिवार्य

रियाद।

सऊदी अरब में काम करने वाले भारतीयों के लिए अब अपने काम पर लौटने का रास्ता और ज्यादा सुगम हो जाएगा। सऊदी अरब ने कोरोना से निपटने के लिए सभी एहतियाती और रोकथाम वाले उपायों को वापस ले लिया। इससे आम नागरिकों और भारतीय कामगारों को लंबे प्रतिबंधों से राहत मिल गई है। अब लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग और सार्वजनिक जगहों पर मास्क पहनने से आजादी मिलेगी। देश के गृह मंत्रालय के एक आधिकारिक सूत्र ने इसकी जानकारी दी है। सऊदी प्रेस एजेंसी ने कहा कि देश की दोनों पवित्र मस्जिदों और अन्य मस्जिदों में भी सोशल डिस्टेंसिंग प्रतिबंध को खत्म कर दिया गया है, लेकिन श्रद्धालुओं को मास्क लगाना होगा। भारतीय कामगारों के लिए सबसे अच्छी खबर यह है कि अब उन्हें रियाद पहुंचने पर अनिवार्य कोविड-19 क्वारंटीन अवधि से नहीं गुजरना होगा। साथ ही, यात्रियों को भी अब देश में प्रवेश से पहले पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य नहीं होगा। देश में आने वाले सभी लोगों के वीजा में कोरोना संक्रमण के इलाज के खर्च को वहन करने वाला बीमा होना अनिवार्य है। मंत्रालय ने लोगों से प्रतिरक्षा के लिए देश की नीति का पालन करने पर जोर दिया है। ने लोगों से प्रतिरक्षा के लिए देश की नीति का पालन करने पर जोर दिया है। इसके तहत पात्र लोगों को कोरोना वैक्सीन लगवाना अनिवार्य है। साथ ही किसी भी परिसर, कार्यक्रम, हवाई यात्रा या सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए टवाक्वालना ऐप पर अपने स्वास्थ्य की जानकारी अपडेट करना अनिवार्य है। सऊदी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में यात्रा करने के लिए अब तक नौ कोरोना वैक्सीन को मंजूरी मिल चुकी है। जो लोग फाइजर, मॉर्डना, ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका, जे एंड जे, सिनोफार्म, सिनोवैक, कोवैक्सीन, स्पुतनिक और कोवोवैक्स में से कोई भी वैक्सीन लगवा चुके हैं, सऊदी अरब की यात्रा कर सकते हैं। शुक्रवार को सऊदी अरब में कोरोना के 363 नए मामले सामने आए थे।

रूसी हमले के बाद बंद किए गए 16 गैस सप्लाई स्टेशन, यक्रेन में पैदा हुआ कुकिंग गैस का भीषण संकट

कीव ।

यूक्रेन में हर ओर तबाही का मंजर है। शहर एक-एक कर खंडहर में तब्दील हो रहे हैं। गलियां वीरान हैं। न रूस हमले रोक रहा है, न यूक्रेन हार मान रहा है। बीते दिन रूस ने सीजफायर का ऐलान किया था, वहीं अगले ही दिन मारियूपोल पर हमला कर दिया। यूक्रेन के नागरिकों के साथ अमेरिकी भी इस जंग में कूदने के लिए तैयार हैं। उधर, कई कंपनियां रूस पर पाबंदी का दायरा बढ़ा रही हैं। यूक्रेन में भीषण सर्दी के बीच रूसी हमलों से गैस का संकट पैदा हो गया है। रूस की ओर से किए गए 6 विस्फोटों की वजह से यूक्रेन के गैस ट्रांसमिशन सिस्टम के 16 गैस सप्लाई स्टेशनों को बंद किया गया है।

रूस के बड़े आक्रमण के बाद ऑपरेटर ने यह फैसला लिया है। बता दें कि गैस ऑपरेटर कुछ क्षेत्रों में गैस की आपूर्ति बहाल करने में असमर्थ हैं। बेलारूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन में पैराट्रूपर्स की रिपोर्टों का खंडन किया है। बेलारूस की ओर से कहा गया है कि उनके देश के सभी सशस्त्र बलों की तरह पैराट्रूपर्स देश में ही हैं। यूक्रेन की संसद ने दावा किया है कि ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन ने रूस का मुकाबला करने के लिए 6-प्वाइंट का प्लान बनाया है।

जानकारी के मुताबिक जॉनसन कनाडा, नीदरलैंड, चेक गणराज्य, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया के नेताओं के साथ इस प्लानिंग पर बातचीत करेंगे। इस बीच, रूसी सेना ने एक बार फिर खारकीव को निशाना बनाते हुए एयर स्ट्राइक की है। इसकी वजह से कई इमारतों में आग लग गई है।

रूस ने मचाई यूक्रेन में भीषण तबाही, कई शहर हुए तबाह

मॉस्को।

रूस ने यूक्रेन में भीषण तबाही मचा दी है। आलम ये है कि वहां कई शहर तबाह हो चुके हैं। राजधानी कीव से लेकर खारकीव, मारियूपोल, सुमी, ओडेशा में रूस ने भारी बमबारी की है। इसी बीच रूस ने दावा किया है कि उसने 11 दिन में यूक्रेन के 2203 से अधिक सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। इसके साथ ही भारी मात्रा में सैन्य उपकरणों को भी निशाना बनाया है। रूस ने दावा किया है कि उसने यूक्रेन के मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-300 को भी नष्ट कर दिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि रूसी सशस्त्र बलों ने 11 दिन से जारी जंग में यूक्रेन की जमीन पर 69 विमान और हवा में 21 विमान, 748 टैंक और अन्य बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 76 रॉकेट लॉन्चर, 274 फील्ड आर्टिलरी और मोर्टार, विशेष सैन्य वाहनों की 532 इकाइयां, 59 मानव रहित हवाई वाहन उपकरण ध्वस्त किए हैं रूसी रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक प्रतिनिधि मेजर जनरल इगोर कोनाशेनकोव ने कहा कि शनिवार यानी 5 मार्च को रूसी सशस्त्र बलों ने यूक्रेन के सैन्य ठिकाने पर हमला किया। इस हमले में रूस ने यूक्रेन के 5 रडार स्टेशन और 2 बुक एम-1 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम को तबाह कर दिया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमने यूक्रेन में ऑपरेशन के दौरान 2203 सैन्य ठिकानों को तबाह किया है। साथ ही यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 74 कंट्रोल प्वाइंट और कम्युनिकेशन सेंटर, 108 एस-300, बुक एम -1 और ओसा एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम के साथ 68 रडार स्टेशनों को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है।

फिनलैंड और स्वीडन के 51फीसदी से अधिक लोगों ने जताई नाटो में शामिल होने की इच्छा

मास्को ।

नाटो में शामिल होने से रोकने के लिए यूक्रेन पर हमला करने वाले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की टेंशन कम होने की बजाय अब और ज्यादा बढ़ने वाली है। द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद सोवियत संघ से निपटने के लिए 1949 में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का गठन हुआ था। उस समय इस सैन्य संगठन के 12 संस्थापक सदस्य थे। सन 2022 में इन सदस्यों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है और जल्द ही इसमें विस्तार हो सकता है। माना जा रहा है कि रूस के यूक्रेन पर हमले को देखते हुए दो और देश फिनलैंड और स्वीडन नाटो की सदस्यता ले सकते हैं। यूक्रेन नाटो का एक भागीदार देश है, लेकिन वह अभी तक सैन्य गठबंधन नाटो का सदस्य नहीं है। हालांकि, वह 2008 से नाटों में शामिल करने की मांग कर रहा है। रूस के हमले के बाद इस मांग ने तेजी पकड़ी है कि यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाया जाए। ऐसा करने पर रूस के साथ अमेरिका का तनाव बहुत बढ़ जाएगा इसलिए अमेरिका उसे सदस्यता देने में आनाकानी कर रहा है। यूक्रेन के अलावा फिनलैंड और स्वीडन भी अभी नाटो के सदस्य नहीं है, लेकिन यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद उनके देश में भी इस पर गंभीरता से विचार-विमर्श शुरू हो गया है। स्थिति यह है कि रूसी हमले के बाद स्वीडन और फिनलैंड में नाटो में शामिल होने को लेकर जनता का समर्थन बहुत ज्यादा बढ़ गया है। जनता का समर्थन बहुत ज्यादा बढ़ गया है। ऐसा पहली बार है जब स्वीडन में बहुमत से लोगों ने नाटो में शामिल होने का समर्थन किया है। ताजा पोल में 51 फीसदी लोग नाटो में शामिल होने के पक्ष में हैं। जबकि, फिनलैंड में हुए ताजा सर्वेक्षण में 53 फीसदी लोगों ने नाटो में शामिल होने का समर्थन किया है। इस सर्वे में यह भी सामने आया कि यह आंकड़ा तब बढ़कर 66 फीसदी हो जाता है ।

संक्षिप्त समाचार

रूस यात्रा में नफ्ताली बेनेट ने पुतिन से की यूक्रेन युद्ध पर चर्चा

तेल अवीव । इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट अपनी आकस्मिक रूस यात्रा से लौट आए हैं। बेनेट ने रूस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, नफ्ताली बेनेट शनिवार को मॉस्को पहुंचे जहां उन्होंने करीब तीन घंटे तक रूसी नेता से बातचीत की। यह यात्रा बाइडन प्रशासन के समन्वय से हुई। बेनेट ने पुतिन से मुलाकात के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से बात की और इसके बाद जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ से मिलने के लिए जर्मनी रवाना हुए। बेनेट रविवार सुबह इजराइल लौटे और दिन में मंत्रिमंडल की साप्ताहिक बैठक बुलाने की उम्मीद है। उनकी यह यात्रा रूस-यूक्रेन संकट को कूटनीति से सुलझाने की नवीनतम कोशिश है। इजराइल उन कुछ देशों में शामिल है जिसके रूस और यूक्रेन से अच्छे संबंध हैं।

नो फ्लाइ जोन को लेकर पुतिन की चेतावनी के बाद पश्चिमी देशों ने पीछे खींचे कदम

मास्को । यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को 11 दिन हो गए हैं। यूक्रेन में बमबारी जारी है। आलम यह है कि न रूस हमले रोक रहा है और न ही यूक्रेन हार मान रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन में सबकुछ प्लान के अनुसार चल रहा है। पुतिन ने दूसरे देशों को आगाह करते हुए कहा कि जो भी देश यूक्रेन को नो फ्लाई जोन घोषित करेगा, वह इस संघर्ष का हिस्सा माना जाएगा। पुतिन के इस बयान को काफी अहम माना जा रहा है। इसके साथ ही जेलेंस्की ने वीडियो जारी कर नाटो के कदम की आलोचना की है। जेलेंस्की ने यूक्रेन को नो फ्लाई जोन घोषित करने की मांग की थी, जिसे नाटो ने खारिज कर दिया है। जेलेंस्की ने कहा कि नाटो यूक्रेन को नो फ्लाई जोन नहीं घोषित करके बड़ी गलती कर रहा है। नाटो यूक्रेन में होने वाली मौतों और विनाश के लिए जिम्मेदार होगा। नाटो ने कहा था कि वह इस संघर्ष का हिस्सा नहीं है और अगर वह यूक्रेन को नो फ्लाइ जोन घोषित करेगा तो युद्ध यूरोप के दूसरे हिस्सों तक फैल सकता है, जो वह नहीं चाहता।

चीन में कोयला खदान ढहने से 14 खनिकों की मौत

बीजिंग। दक्षिण पश्चिम चीन में 10 दिन पहले कोयले की एक खदान के ढहने से उसमें फंस गए 14 खनिकों की मौत हो गई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, खनिकों के शव निकालने के बाद रविवार दोपहर को बचाव अभियान खत्म कर दिया गया । गुइझोऊ प्रांत में 25 फरवरी को कोयले की खदान की छत ढहने के बाद उसमें खनिक फंस गए थे। मीडिया की खबर के मुताबिक, बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि जहां खदान की छत ढही थी, वह स्थान खदान के प्रवेश से करीब तीन किलोमीटर दूर था। दुर्घटना की आगे की जांच की जा रही है।

बिलावल ने साधा निशाना- इमरान की गलत नीतियों की बदौलत पाकिस्तान में बढ़ा आतंकवाद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अपनी विरोधी नीतियों के चलते विपक्ष के साथ-साथ जनता के निशाने पर हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने इमरान खान की आलोचना करते हुए कहा है कि उनकी गलत नीतियों की बदौलत ही देश में आतंकवाद बढ़ा है। उन्होंने देश में घटी हाल की आतंकी घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी वजह पीएम की गलत नीतियां ही रही हैं। बिलावल ने कहा कि आतंकवाद की आग देश के चुने गए इमरान की बदौलत ही बढ़ी है। उन्होंने ये बात शनिवार को पंजाब के ओकारा में इमरान सरकार के खिलाफ हुई रैली के दौरान कही। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान और पेशावर में हुए बम धमके उनकी ही गलत नीतियों की देन है। बिलावल ने कहा कि जब से देश में पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की सरकार बनी है तभी से ही आतंकवाद और आतंकी घटनाओं में तेजी भी आई है । उन्होंने लोगों से अपील की कि वो सरकार के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखें। उन्होंने ये भी कहा कि उनकी पार्टी इमरान खान के खिलाफ जीत मिलने तक अपना संघर्ष खत्म नहीं करने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरान खान ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रख दिया है। हर कोई जानता है कि इसके पीछे देश के पीएम इमरान खान ही हैं। बता दें कि देश में सुरक्षा के हालातों पर चिंता जताने के एक दिन बाद ही पेशावर में जबरदस्त धमाका हुआ था जिसमें साठ से अधिक लोगों की जान गई थी। पाकिस्तान के मानवाधिकार संगठन ने इसकी निंदा करते हुए कहा कि ये शिया समुदाय को निशाना बनाकर किया गया एक आत्मघाती हमला था। इससे पहले पाकिस्तान के आतंरिक मंत्री शेख राशिद ने कहा कि देश में बीते कुछ माह के दौरान आतंकी हमलों के मामलों में करीब 35 फीसद का इजाफा हुआ है।

यूक्रेन का सबसे बड़ा कला संग्रहालय पर रूसी हमले का खतरा

इंटरनेशनल डेस्क। यूक्रेन के सबसे बड़े कला संग्रहालय पर रूसी हमले का खतरा मंडरा रहा है। संग्राहलय के निदेशक इन दिनों संग्रहित कलाकृतियों की कर्मचारियों से पैकिंग कराने में जुटे हैं ताकि रूसी सैनिकों के पश्चिमी इलाके में बढ़त बनाने की स्थिति में इन्हें उनसे बचाया जा सके। एंड्री शेस्स्की नेशनल म्यूजियम के कर्मचारी सावधानी से कलाकृतियों को 'कार्डबोर्ड के डिब्बों में रख रहे हैं। वहीं कुछ कर्मचारी 18वीं सदी की एक विशाल कलाकृति को भी सुरक्षित करने की कोशिश में जुटे हैं। संग्रहालय के महानिदेशक इहोर कोझान ने कहा,''कई बार आंखों से आंसू आ जाते हैंक्योंकि इन्हें बड़ी मेहनत से तैयार किया गया था। इसमें समय और ऊर्जा लगी थी। क्योंकि इन्हें बड़ी मेहनत से तैयार किया गया था। इसमें समय और ऊर्जा लगी थी। अगर आप कुछ अच्छा करते हैं तो खुशी होती है। आज आप देखिए दीवारें खाली हैं। आप निराश और दुखी महसूस करते हैं। हम आखिरी क्षण तक भरोसा नहीं था कि ऐसा होगा। दुर्लभ पांडुलिपियों और किताबों केविभाग की प्रमुख अन्ना विभाग की प्रमुख अन्ना नौरोब्स्का ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि डिब्बों में बंद इन 12 हजार से अधिक वस्तुओं को कहां सुरक्षित रखा जाएगा।

उत्तर कोरिया के स्पाई सेटेलाइट टेस्ट ने बढ़ाई कई देशों की धड़कनें

प्योंगयांग ।

उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसने इस माह अपना दूसरा परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक इस बार उसने एक बेहद महत्वपूर्ण टोही उपग्रह (स्पाई सेटेलाइट) का टेस्ट किया है। बता दें कि शनिवार को ही उसने एक मिसाइल परीक्षण किया था जिसको बेलेस्टिक मिसाइल बताया गया था। इस वर्ष में उत्तर कोरिया द्वारा किया गया ये 9वां टेस्ट है। इस परीक्षण के बाद कोरियाई प्रायद्वीप के देशों की चिंता बढ़ गई है। उत्तर कोरिया की एक समाचार एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। उत्तर कोरिया द्वारा किए गए इस टेस्ट की अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने कड़े स्वरों में निंदा की है। इनका मानना है कि उत्तर कोरिया आने वाले समय में प्रमुख हथियार परीक्षण करने की तैयारी कर रहा है। इन देशों का कहना है उत्तर कोरिया का किया गया परीक्षण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का सीधेतौर पर उल्लंघन है। बता दें कि उत्तर कोरिया की नेशनल एयरोस्पेस डेवलेपमेंट एडमिनिसट्रेशन और अकादमी आफ डिफेंस साइंस ने मिलकर ये टेस्ट किया है। खबर के मुताबिक ये टोही उपग्रह विकसित करने की योजना के तहत किया गया है। नाडा की तरफ से इस टेस्ट को बेहद कंट्रोल और सफल बताया गया है। बता दें कि 27 फरवरी को किए गए टेस्ट के बाद उत्तर कोरिया ने इस बात का खुलासा नहीं किया था कि इसमें उसने किस राकेट का इस्तेमाल किया है लेकिन दक्षिण कोरिया का कहना था कि ये एक बेलेस्टिक मिसाइल का परीक्षण था। दक्षिण कोरिया की जानकारी के मुताबिक ये मिसाइल 560 किमी की ऊंचाई तक गई और करीब 270 किमी की दूरी इसने तय की थी। रतलब है कि परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता के टूट जाने के बाद उत्तर कोरिया ने इस साल जनवरी में रिकार्ड संख्या में मिसाइल टेस्ट किए हैं। 2017 के बाद उत्तर कोरिया की तरफ से कहा गया था कि वो सबसे लंबी दूरी की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण फिर से शुरू कर सकता है।

यहां पर ये भी बताना जरूरी है कि उत्तर कोरिया की तरफ से ये टेस्ट ऐसे समय में किए जा रहे हैं जब दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। उत्तर कोरिया निकट भविष्य में अपने जासूसी उपग्रह को कक्षा में लान्च करने की तरफ प्रयास कर रहा है। दक्षिण कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार ली जोंग-सोक ने रायटर्स को बताया है कि कोई भी उपग्रह प्रक्षेपण गंभीर नतीजे लाएगा ।

व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने की अपील करें भारत व अन्य देश : दिमित्रो कुलेबा

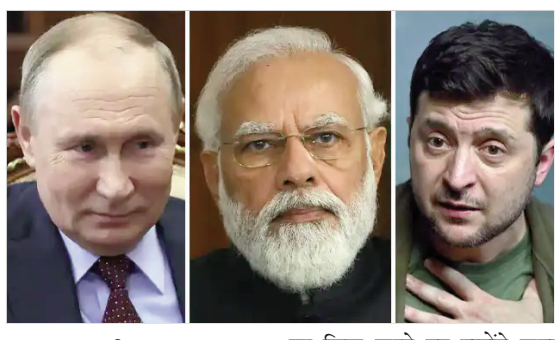

कीव ।

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने एक टेलीविज़न संबोधन में भारत व अन्य देशों की सरकारों से रूस से यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युद्ध का अंत सभी राष्ट्रों के सर्वोत्तम हित में होगा। विशेष रूप से भारत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा भारत यूक्रेन के कृषि उत्पादों के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है और अगर यह युद्ध जारी रहा, तो हमारे लिए नई फसल बोना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए वैश्विक और भारतीय खाद्य सुरक्षा के मामले में भी, इस युद्ध को रोकना जरूरी है। दिमित्रो कुलेबा ने रूस के साथ विशेष संबंध रखने वाले भारत सहित सभी देशों से अपील की है कि वह व्लादिमीर पुतिन को युद्ध खत्म करने की अपील करें उन्होंने कहा कि यह युद्ध सभी के हित के खिलाफ है। उन्होंने भारत के आम नागरिकों से युद्ध रोकने के लिए दबाव बनाने को भी कहा है। उन्होंने भारत के आम नागरिकों से युद्ध रोकने के लिए दबाव बनाने को भी कहा है। रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के नए दौर की मांग करते हुए, उन्होंने पड़ोसी देश पर संघर्ष विराम समझौतों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और मास्को से विदेशी नागरिकों सहित नागरिकों को निकालने की अनुमति देने के लिए गोलीबारी को बंद करने का आग्रह किया। दिमित्रो कुलेबा ने कहा 30 वर्षों के लिए, यूक्रेन अफ्रीका, एशिया के हजारों छात्रों के लिए एक स्वागत योग्य घर था। उनके आंदोलन को सुविधाजनक बनाने के लिए, यूक्रेन ने ट्रेनों की व्यवस्था की, हॉटलाइन स्थापित की, दूतावासों के साथ काम किया। यूक्रेनी सरकार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने अपने संबोधन में दावा किया कि रूस उन देशों की सहानुभूति जीतने की कोशिश कर रहा है जिनके यूक्रेन में विदेशी नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि अगर रूस विदेशी छात्रों के मामले में छेड़छाड़ करना बंद कर देता है, तो उन सभी को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा। उन्होंने कहा मैं भारत, चीन और नाइजीरिया की सरकारों से अपील करता हूं कि रूस से आग को रोकने और नागरिकों को जाने की अनुमति देने की अपील करें।

बिना पानी-बिजली के यूक्रेन का मोरियुपोल शहर, डेडबॉडी निकालना भी मुश्किल

कीव । रूसी सेना का यूक्रेन के अलग-अलग शहरों में आक्रमण जारी है। यूक्रेन के दक्षिणी शहर मारियुपोल के मेयर वादिम बोइचेंको ने कहा कि शहर में पांच दिनों से बिजली नहीं है और उनके पास पानी नहीं बचा है। उन्होंने यह भी कहा कि वे मृतकों के शव बरामद नहीं कर पा रहे हैं, जबकि शहर में लगातार छठे दिन हवाई हमले जारी हैं। बोइचेंको ने कहा कि स्थिति बहुत जटिल है और रूसी सेना ने पहले ही मानवीय गलियारे पर नाकाबंदी कर दी है। उन्होंने एक यूट्यूब चैनल पर साक्षात्कार में कहा` कि हमारे पास बहुत सारी सामाजिक समस्याएं हैं, जो सभी रूसियों ने पैदा की हैं। करीब 4 लाख की आबादी वाला मोरियुपोल पांच दिनों से बिजली के बिना है। हमारे सभी थर्मल सबस्टेशन बिजली सप्लाई पर निर्भर हैं। हमारे पास गर्मी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। मेयर ने यह भी कहा कि कोई मोबाइल नेटवर्क काम नहीं कर रहा है। बोइचेंको ने रूसी सेना पर शहर को घेरने और शहर को मानवीय गलियारे से काटने के लिए नाकाबंदी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा` कि वे हमें मानवीय गलियारे से अलग करना चाहते हैं। आवश्यक सामान, चिकित्सा आपूर्ति, यहां तक कि शिशु आहार की डिलीवरी बंद कर रहे हैं। उनका टारगेट शहर को घुटने पर लाना है। बोइचेंको ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में घायलों और मृतकों की संख्या में हजारों की संख्या में वृद्धि हुई है। आंकड़े केवल बदतर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे कहते हैं कि वे यूक्रेनियन को यूक्रेनी (राज्य) द्वारा मारे जाने से बचाना चाहते हैं, लेकिन वे ही हत्या कर रहे हैं। मेयर ने पिछले 10 दिनों से शहर में जान बचाने वाले बहादुर डॉक्टरों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि वे हमारे अस्पतालों में अपने परिवारों के साथ रहते और सोते हैं।

युद्ध में अभी तक 10 हजार रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने किया है दावा

कीव।

यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने दावा किया है कि कीव पर मॉस्को के युद्ध की शुरुआत के बाद से, रूसी सेना ने 10 हजार से अधिक सैनिकों को खो दिया है। नुकसान में 269 टैंक, 945 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 105 आर्टिलरी सिस्टम, 50 एमएलआरएस, 19 एयर डिफेंस, 39 विमान, 40 हेलीकॉप्टर भी शामिल हैं। इसके अलावा 409 मोटर वाहन, दो लाइट स्पीडबोट, ईंधन के साथ 60 टैंक, परिचालन और सामरिक स्तर के तीन यूएवी का भी नुकसान हुआ है। सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने दावा किया कि आक्रमणकारियों की यूनिट्स हतोत्साहित हैं और रूसी सेना के सैनिकों और अधिकारियों ने आत्मसमर्पण करना और भागना जारी रखा है। उन्होंने कहा कि रूसी सैनिक अपने हथियार और उपकरण यूक्रेनी धरती पर छोड़कर भाग रहे हैं। उन्होंने दावा किया न केवल यूक्रेनी रक्षकों की सशस्त्र यूनिट्स, बल्कि सामान्य निहत्थे लोग भी सक्रिय रूप से दुश्मन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कब्जा करने वालों को खदेड़ा जा रहा है और उन्हें मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंचाई जा रही है। आरटी की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक प्रतिनिधि, इगोर कोनाशेनकोव ने कहा कि यूक्रेन में ऑपरेशन के दौरान 2,037 सैन्य सुविधाओं को नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, 2,037 यूक्रेनी सैन्य बुनियादी सुविधाओं को ऑपरेशन के दौरान प्रभावित किया गया है।÷ प्रवक्ता के अनुसार, 71 कमांड पोस्ट और संचार केंद्र, 98 एस-300, बुक एम-1 और ओसा एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम और साथ ही 61 रडार स्टेशन नष्ट कर दिए गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विधानसभा चुनाव के परिणाम का इस साल राष्ट्रपति चुनाव पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली।

देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के इस सप्ताह आने वाले परिणामों से केवल यह फैसला नहीं होगा कि इन राज्यों के अगले मुख्यमंत्री कौन होंगे, बल्कि इसका असर संभवत- इस साल के अंत में होने राष्ट्रपति पद के चुनाव भी होगा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त होगा और 10 मार्च को उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा विधानसभाओं के चुनाव परिणाम फैसला करेंगे कि राष्ट्रपति पद के चुनाव में किस पार्टी या गठबंधन की निर्णायक भूमिका होगी। इस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश के शीर्ष पद के लिए अपने उम्मीदवार का आसानी से चयन करने की स्थिति में है, लेकिन उत्तर प्रदेश में प्रतिकूल परिणाम इस स्थिति में बदलाव कर सकते हैं और ऐसा होने पर राष्ट्रपति चुनाव में बीजू जनता दल (बीजद), तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) जैसी क्षेत्रीय पार्टियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। राष्ट्रपति चुनाव में उत्तर प्रदेश के एक विधायक के वोट का मूल्य सबसे अधिक यानी 208 है, जबकि सिक्किम के एक विधायक के वोट का मूल्य सबसे कम यानी सात है। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, उनमें से पंजाब के एक विधायक के वोट का मूल्य 116, उत्तराखंड के विधायक के वोट का मूल्य 64, गोवा के एक विधायक के वोट का मूल्य 20 और मणिपुर के एक विधायक के वोट का मूल्य 18 है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के परिणाम राष्ट्रपति चुनाव के लिहाज से महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि राज्य के 403 विधायकों में से प्रत्येक के वोट का मूल्य सबसे अधिक यानी 208 है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के वोट का कुल मूल्य 83,824, पंजाब का 13,572, उत्तराखंड का 4,480, गोवा का 800 और मणिपुर का कुल मूल्य 1,080 है। विभिन्न गणनाओं के अनुसार, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के निर्वाचित प्रतिनिधियों के मतों का मूल्य कुल संख्या के 50 प्रतिशत से कम है और राष्ट्रपति भवन में अपने उम्मीदवार का मार्ग सुगम बनाने के लिए उसे गठबंधन से अलग मित्र दलों के समर्थन पर निर्भर रहना होगा। टीआरएस सुप्रीमो और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव राष्ट्रपति चुनाव में अहम भूमिका निभाने के स्पष्ट इरादे से विपक्षी दलों से मुलाकात कर रहे हैं। विपक्षी खेमे ने यह प्रस्ताव देकर भाजपा नीत राजग को विभाजित करने की कोशिश की है कि यदि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग हो जाते हैं, तो उन्हें राष्ट्रपति पद के चुनाव में विपक्ष का संयुक्त उम्मीदवार घोषित किया जा सकता है।

राष्ट्रपति का चुनाव करने वाले निर्वाचक मंडल में लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली एवं केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। विधान परिषदों के सदस्य और मनोनीत सदस्य निर्वाचक मंडल का हिस्सा नहीं होते हैं। निर्वाचक मंडल के कुल 4,896 निर्वाचकों में राज्यसभा के 233 सदस्य, लोकसभा के 543 सदस्य और विधानसभाओं के 4,120 सदस्य होते हैं।

'गन्ना किसान, 'नूडल्स का कटोरा, आइस क्रीमः दिल्ली निकाय चुनाव में दिखेंगे दिलचस्प चुनाव चिह्न

नई दिल्ली।

इस साल दिल्ली नगर निगम चुनावों में हिस्सा लेने वाले निर्दलीय उम्मीदवारों को दिलचस्प चुनाव चिह्न मिलेंगे। लगभग 200 चिह्नों में 'गन्ना किसान, नूडल्स का कटोरा, आइसक्रीम, फल, सब्जी और रसोई के उपकरण आदि शामिल हैं, जिनमें से उम्मीदवारों को अपना चुनाव चिह्न चुनना होगा। दिल्ली के राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, तीन नगर निगमों के 272 वार्ड के लिए चुनाव अप्रैल में कराये जाने का कार्यक्रम है। आयोग ने शुक्रवार को जारी 'दिल्ली नगर निगम चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश 2022 में 197 चुनाव चिह्न की सूची जारी की। गैर मान्यता प्राप्त दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों के लिए जिन 'स्वतंत्र चुनाव चिह्नो को मंजूरी दी जा सकती है उनमें सेब, अंगूर, अनानास, बिस्कुट, केक, ब्रेड, प्रेशर कुकर, मिक्सी, ब्रेड रोलर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल हैं। बिजली का खंभा, गिफ्ट पैक, एक्सटेंशन बोर्ड, दीवार का हुक, लिफाफा और दरवाजे के हैंडल को भी सूची में शामिल किया गया है। आदेश के अनुसार, प्रत्येक निर्दलीय उम्मीदवार को अपने द्वारा विकल्प के तौर पर चुने गए तीन चिह्नों का उल्लेख नामांकन पत्र में करना होगा। यदि एक चिह्न को एक से ज्यादा उम्मीदवार मांगते हैं तो निर्वाचन अधिकारी लॉटरी के माध्यम से चिह्न आवंटित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और मेघालय की नेशनल पीपुल्स पार्टी को आरक्षित चिह्न आवंटित किये जाएंगे। आदेश में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग द्वारा आम आदमी पार्टी को दिल्ली राज्य की पार्टी के तौर पर मान्यता दी गई है जिसका चुनाव चिह्न 'झाड़ू है।

रूस और यूक्रेन के बीच 11वें दिन के बाद भी युद्ध जारी है

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन के बीच 11वें दिन के बाद भी युद्ध जारी है। दोनों देशों के बीच स्थिति लगातार बिगड़ती ही जा रही है। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से फोन पर बात कर रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने को कहा है। इससे पहले, यूक्रेन ने रूस को हराने के लिए पश्चिम से और सैन्य सहयोग देने की मांग की है। हालांकि, पुतिन ने पश्चिम को चेताया है कि यदि नो फ्लाइ जोन का निर्धारण नहीं हो पाया तो युद्ध और भीषण हो जाएगा। वहीं, उत्तर प्रदेश में सातवें और अंतिम चरण के लिए कल वोट डाले जाएंगे। नौ जिलों की 54 सीटों पर मतदान होंगे। लिए कल वोट डाले जाएंगे। नौ जिलों की 54 सीटों पर मतदान होंगे। जिसमें पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी शामिल है। 54 सीटों पर कुल 613 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला 2.06 करोड़ मतदाता करेंगे। इसके अलावा पीएम मोदी ने आज पुणे को मेट्रो की सौगात दी। इस दौरान पीएम मोदी ने मेट्रो में भी सफर किया। भारत ने भारतीय वायु सेना की विशेष उड़ान के माध्यम से पोलैंड के रास्ते यूक्रेन को मानवीय सहायता भेजी है। हंगरी में स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि आज आपरेशन गंगा फ्लाइट के अंतिम चरण की शुरुआत की गई है। अपने स्वयं के आवास (दूतावास द्वारा व्यवस्थित के अलावा) में रहने वाले सभी छात्रों से अनुरोध किया जाता है कि वे हंगरी, राकोजी यूटी 90, बुडापेस्ट पहुंचें।

लखनऊ से मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर

लखनऊ । लखनऊ से मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। कोरोना काल से बंद पड़ी टोकन व्यवस्था बहाल होने जा रही है। यात्रियों की पसंदीदा ट्रेन पुष्पक एक्सप्रेस के साधारण डिब्बे में सीट पाना अब आसान होगा। इस ट्रेन में यात्रियों की इंट्री अब टोकन से होगी। टोकन मशीन की शुरुआत सोमवार से लखनऊ जंक्शन पर होगी। यात्रियों को टोकन देकर साधारण डिब्बे में बैठने दिया जाएगा। इस सुविधा से यात्रियों को लाइन में लगकर धूप में इंतजार नहीं करना पड़ेगा। लखनऊ जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर छह से मुंबई के लिए पुष्पक एक्सप्रेस रोजाना रवाना होती है। इस ट्रेन में जनरल की चार बोगियां लगाई जाती हैं। जिसमें क्षमता से अधिक यात्री सफर करते हैं। यात्री सुबह से ही स्टेशन पर पहुंच जाते हैं और प्लेटफॉर्म नंबर छह के बाद लाइन लगा लेते हैं, जो बहुत लंबी लाइन होती है। इस सुविधा से लंबी लाइन और जनरल कोच में सफर करना यात्रियों के लिए आसान रहेगा। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन की ओर से स्टेशन पर टोकन मशीन लगवाई गई। इस मशीन पर आरपीएफ जवान को तैनात किया गया है। मशीन से यात्री टोकन लेंगे। इससे यात्री को लाइन में नहीं लगना होगा। शाम को जब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर पहुंचेगी ।

बीएसएफ हेडक्वार्टर में जवान ने की फायरिंग

अमृतसर ।

यहां सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हेडक्वार्टर में बीएसएफ 144वीं बटालियन के एक कांस्टेबल ने अपने ही साथियों पर फयरिंग कर दी। घटना में 4 जवानों की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य घायल हो गए। साथियों पर हमले के बाद जवान ने खुद को भी गोली मार ली। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ देर बाद उसकी भी मौत हो गई। आरोप है कि जवान से ज्यादा ड्यूटी ली जा रही थी। उसकी पहचान महाराष्ट्र के रहने वाले सतेप्पा एसके के रूप में बताई जा रही है। घटना के बाद खासा में दहशत का माहौल है। बीएसएफ ने कोर्ट औफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए हैं। जान गंवाने वाले जवानों में हेड कांस्टेबल विनोद निवासी बिहार, हेड कांस्टेबल तोरास्कर डीएस निवासी महाराष्ट्र, हेड कांस्टेबल रतन सिंह, निवासी जम्मू-कश्मीर और हेड कांस्टेबल बलजिंदर सिंह, पानीपत हरियाणा हैं।

अमृतसर के खासा स्थित बीएसएफ की 144वीं बटालियन का मुख्यालय, जहां गोलीबारी की घटना हुई। पता चला है कि सतेप्पा से पिछले कुछ दिनों से लगातार ड्यूटी ली जा रही थी द्य इस बात से वह काफी परेशान हो गया था द्य उसकी बीएसएफ के एक बड़े अधिकारी से बहस भी हुई थी, लेकिन राहत कोई नहीं मिलीद्य रविवार की सुबह सतेप्पा ड्यूटी पर तैनात था।

गुस्से में आकर उसने अपनी राइफल से गोलियां चलानी शुरू कर दी गुस्से में आकर उसने अपनी राइफल से गोलियां चलानी शुरू कर दी द्य गोलियां चलने की आवाज सुनकर अन्य जवानों ने इधर-उधर भागना शुरू कर दिया द्य लगभग 9 लोगों को गोलियां लगीद्य कई जवान घायल बताए जा रहे हैंद्य दो जवानों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दो अन्य ने अस्पताल ले जाते हुए दम तोड़ा। घटना के बारे में पता चलते ही पुलिस और बीएसएफ के आला अधिकारी मौका ए वारदात पर पहुंच गए द्य घायलों को तुरंत एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया हैद्य पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शवों को कब्जे में लेने की तैयारी शुरू कर दी है द्य मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचित किया जा रहा है।

कश्मीर में आतंकवादियों ने बदली बम बनाने की रणनीति

जम्मू ।

जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद के इतिहास में 15 साल बाद ऐसा माना जा रहा है कि लिक्विड विस्फोटक की वापसी हुई है। हाल ही में जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पाकिस्तान की ओर से आए ड्रोन ने तीन बोतल सफेद पदार्थ गिराए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने हाल ही में जम्मू में मीडिया से बात करते हुए कुछ रासायनिक विस्फोटक मिलने के संकेत दिये थे, जिन्हें जांच के लिए फॉरेंसिक प्रयोगशाला भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच से संकेत मिला है कि यह ट्रिनिट्रोटोल्यूनि (टीएनटी) या नाइट्रोग्लिसरीन हो सकता है, जिसे आमतौर पर डायनामाइट में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। उन्होंने बताया कि यह खेप संभवत- आतंकवादी घटनाओं के लिए तस्करी करके कश्मीर ले जाने या जम्मू के भीड़भाड़ वाले बाजार में इस्तेमाल करने के लिए लाई गई थी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान से संचालित आतंकवादी समूहों के निशाने पर जम्मू है और ये आतंकी समूह यहां सांप्रदायिक संघर्ष पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अभी तक जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ऐसी चार कोशिशें नाकाम की है। अधिकारियों ने इस संभावना से इनकार नहीं किया है कि इस तरह के विस्फोटक कश्मीर घाटी में ड्रोन के जरिये गिराए गए हों।

आखिरी चरण में ऑपरेशन गंगा भारतीय दूतावास की बुडापेस्ट पहुंचे बचे हुए छात्र

नई दिल्ली ।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन गंगा अपने आखिरी चरण में पहुंच चुका है। भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी। दूतावास ने बचे हुए छात्रों से हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट पहुंचने की अपील की है। इससे पहले यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने यूक्रेन में भारतीयों से उनके मोबाइल नंबर और स्थान के साथ %तत्काल आधार% पर उनसे संपर्क करने को कहा है। हंगरी में भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर महत्वपूर्ण घोषणा की है।

इसने कहा, भारतीय दूतावास ने आज ऑपरेशन गंगा उड़ानों के अपने अंतिम चरण की शुरुआत की। अपने स्वयं के आवास (दूतावास द्वारा व्यवस्थित के अलावा) में रहने वाले सभी छात्रों से अनुरोध किया जाता है कि वे हंगरी, राकोजी यूटी 90 (बुडापेस्ट) में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच पहुंचें। बता दें कि हंगरी की सीमा युद्धग्रस्त यूक्रेन से लगती है और अभी तक इस देश से होते हुए हजारों भारतीयों को भारत लाया गया है। भारत के दूतावास ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों की निकासी के समन्वय के लिए बुडापेस्ट (हंगरी) में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। 2,200 से अधिक भारतीयों को स्वदेश वापस लाने के लिए रविवार को बुडापेस्ट, कोसिसे, रेजजो और बुखारेस्ट से ग्यारह और विशेष उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है। इजरायल में भारत के दूतावास के उप प्रमुख राजीव बोडवाडे को भी विशेष ड्यूटी पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया, हमारे पास हंगरी-यूक्रेन सीमा पर टीमें हैं ।

विशेषज्ञ समिति ने कोवोवैक्स के तीसरे चरण के परीक्षण की मांगी अनुमति, बूस्टर डोज के रूप में होगा इस्तेमाल

नेशनल डेस्क।

भारत के केंद्रीय औषधि प्राधिकार की एक विशेषज्ञ समिति ने वयस्कों में बूस्टर खुराक के रूप में कोविड-19 रोधी टीके कोवोवैक्स के चरण-3 के क्लीनिकल परीक्षण करने की अनुमति देने की सिफारिश की है। भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने 28 दिसंबर को वयस्कों में आपात स्थिति में सीमित उपयोग के लिए कोवोवैक्स को स्वीकृति दी थी। इसे अभी देश के टीकाकरण अभियान में शामिल नहीं किया गया है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की कोविड-19 पर विषय विशेषज्ञ समिति ने शुक्रवार को बूस्टर खुराक के रूप में एकल-खुराक कोविड-19 रोधी टीके स्पुतनिक लाइट के चरण-3 के क्लीनिकल परीक्षण करने की अनुमति देने की सिफारिश की थी। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एसआईआई) में सरकार और नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने फरवरी में डीसीजीआई को एक अर्जी दी थी जिसमें कोवोवैक्स की सुरक्षा और प्रतिरक्षात्मकता का मूल्यांकन करने के लिए उन लोगों को बूस्टर खुराक देकर इसके चरण-3 के नियंत्रित ` कम से कम तीन महीने पहले कोवीशील्ड या कोवैक्सीन का टीका लगाया हो ।

सिंह ने कहा है कि कई देश कोविड-19 महामारी की अनिश्चितताओं को देखते हुए पहले से ही अपने नागरिकों को बूस्टर खुराक दे रहे हैं। सिंह ने अर्जी में कहा, ''हमें यकीन है कि इस क्लीनिकल परीक्षण के संचालन के लिए आपकी मंजूरी हमारे प्रधानमंत्री के मेकिंग इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड के दृष्टिकोण के अनुरूप हमारे देश के साथ-साथ दुनिया के लोगों के लिए बूस्टर खुराक के उपयोग के लिए कोवोवैक्स की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, ''हमारी कंपनी हमारे मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अदार सी पूनावाला के दूरदर्शी नेतृत्व में एक किफायती मूल्य पर विश्व स्तरीय जीवन रक्षक टीके उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि हमें भारतीय वयस्कों पर कोवोवैक्स की बूस्टर खुराक के लिए चरण-3 के क्लीनिकल परीक्षण की अनुमति दें।

दिल्ली के 4 बड़े अस्पतालों में साढ़े 6 साल में हर माह करीब 70 बच्चों की मौत हुई आरटीआई से हुआ खुलासा

नई दिल्ली । दिल्ली में स्थित केंद्र सरकार के चार अस्पतालों में साढ़े छह साल में औसतन करीब 70 बच्चों की हर महीने मौत हुई है। सबसे ज्यादा बदतर हाल सफदरजंग अस्पताल का है, जहां 81 महीनों के दौरान हर माह तकरीबन 50 नवजातों की जिंदगी चली गई। यह जानकारी सफदरजंग अस्पताल के अलावा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), कलावती सरन अस्पताल और सुचेता कृपलानी अस्पताल ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर किए गए अलग-अलग आवेदनों के जवाब में दी है। दिल्ली में स्थित केंद्र सरकार के चार अस्पतालों में साढ़े छह साल में औसतन करीब 70 बच्चों की हर महीने मौत हुई है। सबसे ज्यादा बदतर हाल सफदरजंग अस्पताल का है, जहां 81 महीनों के दौरान हर माह तकरीबन 50 नवजातों की जिंदगी चली गई। यह जानकारी सफदरजंग अस्पताल के अलावा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), कलावती सरन अस्पताल और सुचेता कृपलानी अस्पताल ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर किए गए अलग-अलग आवेदनों के जवाब में दी है। एम्स की ओर से मुहैया कराए गए जवाब के मुताबिक, इस अस्पताल में जनवरी 2015 से जुलाई 2021 के बीच 173 बच्चों की जान गई जो चारों अस्पतालों में सबसे कम है। इस अस्पताल में इस अवधि में 15,354 बच्चों का जन्म हुआ। सफदरजंग अस्पताल में जनवरी 2015 से सितंबर 2021 तक 1.68 लाख से अधिक बच्चे पैदा हुए जिनमें से 4,085 की मौत हो गई। इसी तरह कलावती अस्पताल में जनवरी 2015 से जुलाई 2021 तक 1,199 बच्चों की मौत हुई जबकि अस्पताल में इस अवधि में 80,959 बच्चे पैदा हुए।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन संकटः सोमवार को 1,500 से अधिक भारतीय 8 उड़ानों से लौटेंगे स्वदेश

नेशनल डेस्क। नागर विमानन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि युद्धग्रस्त यूक्रेन के पड़ोसी देशों से 1,500 से अधिक भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए सोमवार को आठ उड़ानें परिचालित की जाएंगी। यूक्रेन का वायु क्षेत्र रूसी हमले के कारण 24 फरवरी से बंद है। यूक्रेन से बाहर निकल रहे भारतीय नागरिकों को रोमानिया, हंगरी, स्लोवाकिया और पोलैंड जैसे देशों से विमानों के जरिये स्वदेश लाया जा रहा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''ऑपरेशन गंगा के तहत आज (रविवार को) यूक्रेन के पड़ोसी देशों से 2,135 भारतीयों को वापस लाया गया है। बयान में कहा गया है, ''कल (सोमवार को) आठ विशेष उड़ानें बुडापेस्ट (पांच), सुकियवा (दो) और बुखारेस्ट (एक) से परिचालित होने की उम्मीद है, जिनके जरिये 1,500 से अधिक भारतीयों को स्वदेश लाया जाएगा।

श्रीनगर में आतंकियों ने किया ग्रेनेड हमला, पुलिसकर्मी सहित 20 लोग घायल, एक नागरिक की मौत

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने श्रीनगर में ग्रेनेड से हमला किया है। यह हमला लाल चौक के अमीराकदाल इलाके में हुआ है। इस हमले में पुलिसकर्मी सहित 20 लोगों के घायल होने का सामाचार है। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवा दिया है। इसके अलावा गंभीर रूप से जख्मी एक नागरिक की मौत भी हो गई। अचानक हुए विस्फोट के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को कहा, शाम चार बजकर 20 मिनट पर आतंकवादियों ने हरि सिंह हाई स्ट्रीट पर तैनात पुलिस और सुरक्षाबलों पर एक ग्रेनेड से हमला किया। उन्होंने कहा कि इस घटना में 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को श्री महाराजा हरि सिंह अस्पताल में भर्ती किया गया है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को पकड़ने के लिए इलाके की घेराबंदी कर सैन्य ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

नीतीश कुमार और ललन सिंह को लेकर आरसीपी ने कह दी बड़ी बात

पटना । केंद्रीय इस्पात मंत्री आरसीपी सिंह ने कहा है कि जदयू में कोई विवाद नहीं है। जदयू का पूरा नाम 'जनता दल यूनाइटेड' है, और नाम के अनुसार ही पार्टी नीतीश कुमार के नेतृत्व में एकीकृत है। हम सब के नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। आरसीपी ने आगे कहा कि उमेश कुशवाहा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं। मुख्यालय के पदाधिकारियों के द्वारा कार्यकर्ताओं को समय-समय दिशा-निर्देश मिलते रहते हैं। आरसीपी सिंह शनिवार को पटना में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

भारत-पाक सीमा पर फिर टोह लेने आया पाक ड्रोन, बीएसएफ ने दागी 18 गोलियां

श्रीगंगानगर । भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर स्थित श्रीगंगानगर जिले में एक बार फिर से पाक की नापाक हरकत सामने आई है। यहां सीमा पार से पाकिस्तानी ड्रोन नापाक इरादों के साथ सीमावर्ती इलाके की टोह लेने के मकसद से तारबंदी तक पहुंच गया। जब इस पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने नजर पड़ी तो उन्होंने अपनी बंदूकों के मुंह खोल दिए। बीएसएफ के जवानों ने संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन पर करीब 18 राउंड फायर किए। संभावना है कि बीएसएफ की ओर से की गई फायरिंग में पाकिस्तानी ड्रोन क्षतिग्रस्त हो गया है। भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ सेक्टर की सीमा सुरक्षा बल की बिजौर चैक पोस्ट क्षेत्र में शुक्रवार देर रात करीब 1 से 2 बजे तारबंदी के पास एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की मूवमेंट देखी गई। इस पर वहां तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उसे मार गिराने के लिये 18 राउंड फायर किए। उसके बाद शनिवार को सीमा सुरक्षा बल के जवानों और अन्य उच्चाधिकारियों ने बिंजौर चैक पोस्ट क्षेत्र का गहनता से निरीक्षण किया, लेकिन वहां कुछ मिला नहीं। अंदेशा जताया जा रहा है वह ड्रोन वापस पाक सीमा में चला गया।

मानदारी से नतीजे घोषित किए गए तो भाजपा को झेलना पड़ेगा काफी नुकसान : राकेश टिकैत

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के छह चरण के मतदान हो चुके हैं। अंतिम चरण के मतदान से पहले भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा है कि अगर ईमानदारी से चुनाव नतीजे आए तो इस बार भाजपा को काफी नुकसान होगा। यूपी विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण की वोटिंग 7 मार्च को कराई जाएगी, इस दौर में 54 सीटों पर मतदान हो रहा है, जिनपर 613 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। सातवें दौर में 2 करोड़ 6 लाख मतदाता है। इनमें 1 करोड़ 10 लाख पुरुष और 96 लाख महिला मतदाता हैं। इस दौर में 1017 तीसरे लिंग वाले मतदाता भी हैं।सातवें चरण से पहले किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि, भाजपा को छह चरणों में ईमानदारी का नुकसान है, यदि बेईमानी करते हैं, तो कम नुकसान होगा, सरकार से लोग नाराज हैं। सातवें चरण से पहले किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि, भाजपा को छह चरणों में ईमानदारी का नुकसान है, यदि बेईमानी करते हैं, तो कम नुकसान होगा, सरकार से लोग नाराज हैं। हालांकि आंकड़ा नहीं बता सकता, लेकिन काफी नुकसान है। भाजपा की सरकारी यूनिवर्सिटी जो नागपुर में है, वह भाजपा हारे हुए छात्रों को भी जीत का सर्टिफिकेट दे देते हैं। इस बार भी जो प्रत्याशी हार जाएगा, उसे जीत का सर्टिफिकेट दिया जाएगा, क्योंकि इससे पहले भी ऐसा हो चुका है। हम भाजपा नेताओं से बात नहीं करते, लेकिन सरकार से बात करना चाहते जो वह करते नहीं। उन्होंने आगे कहा कि किसान किसी को समर्थन नहीं दे रहा, किसान सिर्फ आंदोलन से जिंदा रहेगा। जिस राज्य में किसानों का आंदोलन मजबूत रहेगा, वही किसान सर्वाइव कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरटीआई से जुड़े सवाल जवाब को लेकर आयोजित हुआ 89 वां राष्ट्रीय वेबीनार

सूचना आयुक्तों और विशेषज्ञों ने सैकड़ों पार्टिसिपेंट्स के सवालों का दिया जवाब

सूचना आयोगों में आयुक्तों के लिए वर्किंग स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता पर दिया गया जोर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
दिनांक 6 मार्च 2022

सूचना के अधिकार से जुड़े हुए सवाल और उनके जवाब को लेकर प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाला 89 वां आरटीआई वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न कोनों से पार्टिसिपेंट्स ने प्रश्न पूछे जिनके जवाब उपस्थित विशेषज्ञों और सूचना आयुक्तों के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह के द्वारा की गई जबकि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी,पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप एवं माहिती अधिकार मंच मुंबई के संयोजक भास्कर प्रभु सम्मिलित रहे।

पार्टिसिपेंट्स ने सूचना आयोग के द्वारा जारी किए जाने वाले आदेशों की लेटलतीफी के विषय में प्रश्न खड़ा किए जिसके विषय में उपस्थित सूचना आयुक्तों एवं पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने बताया कि महाराष्ट्र में एक सूचना आयुक्तके लिए कम से कम 15 स्टाफ मौजूद हैं जबकि अन्य सूचना आयोगों में ऐसा नहीं है। शैलेश गांधी ने बताया कि सूचना आयुक्त का पद सबसे महंगा पद होता है अत: उसके लिए पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे सुनवाई जल्दी हो और जल्दी आदेश भी पारित किए जाएं। इस विषय पर मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने भी बताया कि कई बार जल्दबाजी करने पर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और हाई कोर्ट से नोटिस आ जाती है इसलिए बेहतर रहता है कि सुनवाई का अवसर दिया जाए। कार्यक्रम में पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने भी अपने विचार रखे। माहिती अधिकार मंच मुंबई के संयोजक भास्कर प्रभु ने एक बार पुन: धारा 4 के प्रावधानों को लागू करने के विषय में सूचना आयोग की शक्तियों का जिक्र करते हुए धारा 19(8)(ए) का हवाला दिया और कहा कि सूचना आयुक्त धारा 4 के प्रावधानों के विषय में एवं 17 पॉइंट मैनुअल के विषय में एनुअल रिपोर्ट तलब कर सकते हैं। कार्यक्रम में लोक सूचना अधिकारी के द्वारा जवाब न दिए जाने पर प्रथम अपीलीय अधिकारी के विषय में शंका की स्थिति में प्रथम अपील किसे किया जाए इस विषय पर विशेषज्ञों के द्वारा बताया गया की प्रथम अपील का आवेदन लोक सूचना अधिकारी को ही किया जाना चाहिए और धारा 7(8)(2) एवं 7(8)(3) के उल्लंघन के लिए लोक सूचना अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह प्रथम अपील को संबंधित अपीलीय अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें। कार्यक्रम में उत्तराखंड से आरटीआई रिसोर्स पर्सन वीरेंद्र कुमार ठक्कर एवं राजस्थान से आरटीआई एक्टिविस्ट ताराचंद जांगिड़ ने वी पार्टिसिपेंट्स के कई प्रश्नों के जवाब दिए। कार्यक्रम में देश के विभिन्न कोनो से सैकड़ों पार्टिसिपेंट्स ने हिस्सा लिया और अपनी जिज्ञासा शांत की और अपने विचार भी रखें। कार्यक्रम का संचालन एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी के द्वारा किया गया

सूचना आयुक्तराहुल सिंह के हालिया 17 पॉइंट मैनुएल्स आदेश को सभी राज्यों में लागू किए जाने को लेकर भी हुई चर्चा

धारा 4 के प्रावधान लागू करने पर भी हुई चर्चा